51 वर्ष के हुए
अजय जायसवाल

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार

जरूरत के बगैर भी लोगों का ख्याल रखना एक अच्छे व्यक्तित्व की पहचान है।
- अजय जायसवाल

आषाढ़ कृष्ण पक्ष द्वितीया, विक्रम संवत् 2082, कोरबा, शुक्रवार दिनांक 13 से 19 जून 2025

'स्वस्त्यस्तु ते कुशलमस्तु चिरयुरस्तु, दीघयियरोग्ययस्तु
सुयशः भवतु। विजयः भवतु, जन्मदिनशुभेच्छाः।'

आकर्षक व्यक्ति त्व की धनी, जन-जन के प्रिय
संघर्षशील युवा नेता, कांग्रेस के रत्न
मा. श्री अजय जायसवाल जी
को जन्मदिन (13 जून) की 51वीं वर्षगांठ पर
हार्दिक बधाई...

श्री अजय जायसवाल
पूर्व उपाध्यक्ष
जिला पंचायत कोरबा

श्रीमती रीना अजय जायसवाल
पूर्व उपाध्यक्ष
जिला पंचायत कोरबा

दिनेश सोनी | महेश अग्रवाल | एस:मूर्ति | धनेश्वर साहू | संजू शर्मा | हलीम शेख | अशोक दुबे | राजीव लखनपाल

फारूक मेमन | परमानंद सिंह | रंजीत राजपाल | खुशाल चौहान | संजय अग्रवाल | प्रदीप अग्रवाल | नवल पंडित | आसित लाल | निराकार

समस्त मित्रगण, शुभचिंतक, कार्यकर्तागण, जिला-कोरबा

कोरबा में 20 फीट गहरे नहर में गिरी कार,सवार लापता, क्षतिग्रस्त वाहन बाहर निकाला गया

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले में एक कार 20 फीट गहरी नहर में गिर गई। बरमपुर मुख्य मार्ग पर 12 जून गुरुवार सुबह की घटना है। कार को नहर में गिरा देख स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। नहर में केवल कार ही दिखाई दी। कार सवार कोई भी नहीं दिखा।

मामला सर्वमंगला चौकी क्षेत्र का है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। कार में सवार लोगों का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। चौकी प्रभारी विभव तिवारी के मुताबिक, कार के नंबर के आधार पर वाहन मालिक की पहचान की जा रही है।

रेलिंग नहीं होने से हादसा

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस रास्ते पर सड़क किनारे रेलिंग और रिफ्लेक्टर लाइट नहीं होने के कारण अक्सर घटनाएं होती रहती हैं। यह कोई पहला हादसा नहीं है। कुसमुंडा सर्वमंगला मुख्य मार्ग पर कोयला परिवहन वाहनों की आवाजाही ज्यादा रहती है।

कार मालिक का पता लगा रही पुलिस

लोगों ने मांग की है कि इस रास्ते पर सांकेतिक बोर्ड और पर्याप्त लाइट की व्यवस्था की जाए। फिलहाल पुलिस ने कार को नहर से बाहर निकाल लिया है, कार के कांच भी टूट गए है। वाहन मालिक के सामने आने के बाद ही हादसे के कारणों का पता चल सकेगा।

बिना पोस्टमार्टम के शव ले गए परिजन,मरीज को लेने जाते समय 4 बार पलटी एम्बुलेंस ड्राइवर और अटेंडर घायल

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बड़ी लापरवाही सामने आई है। एक सड़क हादसे में मृत युवक का शव उसके परिजन बिना पोस्टमार्टम के ही घर ले गए। मामला बांगो थाना क्षेत्र का है। मेडिकल कॉलेज के डीन ने मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की बात कही है।

वहीं जिले में एक एम्बुलेंस हादसे का शिकार हो गई। कटघोरा थाना क्षेत्र के तहसीलभाठा मुख्य मार्ग पर यह हादसा हुआ। एम्बुलेंस मरीज को लेने जा रही थी। तभी सामने से आ रही गाड़ी को साइड देने के प्रयास में एम्बुलेंस अनियंत्रित हो गई।

वाहन सड़क किनारे खंभे से टकराया और चार बार पलटी मारी। हादसे में एम्बुलेंस ड्राइवर और अटेंडर को गंभीर चोटें आईं। राहगीरों ने घायलों को एम्बुलेंस से बाहर निकाला। 112 की मदद से उन्हें अस्पताल भेजा गया।

गाड़ी को बचाने के चक्कर में हादसा

एम्बुलेंस हादसे में गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मोड़ पर सामने से आ रही गाड़ी को बचाने के चक्कर में यह हादसा हुआ। पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच कर रही है। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

शव का पोस्टमार्टम नहीं

वहीं दूसरे मामले में जिला मेडिकल कॉलेज प्रबंधन की लापरवाही का पता तब चला जब पुलिस चौकी को शव के बारे में मेमो दिया गया। जब पुलिस शव कक्ष पहुंची तो वहां शव नहीं मिला। पुलिस ने मेमो लेने से इनकार कर दिया। इस घटना से अस्पताल में हड़कंप मच गया और कर्मचारी शव की तलाश में जुट गए। पुलिस की सतर्कता से परिजनों से संपर्क किया गया।

लेपरा गांव की सरपंच चंद्रकला के अनुसार, शव को पोस्टमार्टम के लिए वापस जिला मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। जिला मेडिकल कॉलेज के डीन ने कहा कि वे मामले की जांच कराएंगे और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

भुविस्थापितों को नौकरी, मुआवजा बसाहट के लिए ऊषा विश्वकर्मा ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

हरदी बाजार भू स्थापित कोयला कर्मचारी संघ एसोशिएशन की प्रदेश अध्यक्ष सुश्री उषा विश्वकर्मा ने कोरबा जिला के कोयलांचल क्षेत्र के भूविस्थापितों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को कोरबा आगमन पर ज्ञापन सौंपा, जिसमें भू स्थापितों को रोजगार में प्राथमिकता-मुआवजा, बसाहट, विभिन्न कंपनियों द्वारा जमीन अधिग्रहण पिछले 20 वर्षों से किया गया है उनको प्राथमिकता से नौकरी दी जाए। कंपनी द्वारा जीवनदायनी नदी लीलागर को प्रदूषित किया गया है, जिसको साफ सुथरा करते हुए प्रदूषण मुक्त किया जाए। कंपनी द्वारा स्थानीय बेरोजगारों को प्रशिक्षण व अन्य क्षेत्रों में रोजगार का अवसर प्रदान करे। इसी प्रकार इन्होंने एसईसीएल से मुआवजा बसाहट तथा जिनकी जमीन अधिग्रहण हो गया है, उनको बसाहट, मुआवजा व नौकरी दिलवाने की मांग उषा ने की है। रेंकी, सुवाभोड़ी, मलगांव,हरदी बाजार,रलिया,भिलाई बाजार, पाली-पड़निया, बुड़बुड़,करतली आदि ग्रामों के विस्थापितों को नौकरी बसाहट, मुवावजा तथा शिक्षित महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए व रमतराई से नराईमुड़ा(रैनपुर)तक सड़क निर्माण के लिए मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा है।

बैज ने अरविंद नेताम और मंत्री-सांसद को भेजा मानहानि नोटिस

कहा-झूठे बयान से छवि धूमिल हुई, मानसिक आहत हुआ, राजनीतिक भविष्य की हत्या की कोशिश

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के पीसीसी चीफ दीपक बैज ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और आदिवासी नेता अरविंद नेताम, मंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप को मानहानि का नोटिस भेजा है। सभी से 15 दिनों के अंदर उनके वकील ने नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि, उनके राजनीतिक भविष्य की हत्या करने की कोशिश की गई है।

दरअसल, नागपुर के आरएसएस के कार्यक्रम से लौटने के बाद अरविंद नेताम ने कहा था कि, दीपक बैज से मैं यही बात जानना चाहता हूं, कहीं वो कन्वर्ट तो नहीं हुए हैं ? ईसाई धर्म में वे मतांतरण तो नहीं हुए हैं ? धर्मांतरण के बारे में कांग्रेस की क्या नीति है, उन्हें साफ करना चाहिए ?

मानहानि नोटिस में क्या लिखा है ?

दीपक बैज के वकील ने नोटिस में बताया है कि, उनके मुवक्किल दीपक बैज आदिवासी समाज से जुड़े हैं। वे अपने आराध्य भगवान बूढ़ादेव, महादेव, मां दंतेश्वरी देवी समेत सभी देवी देवताओं की पूजा करते हैं। उन पर गहरी आस्था रखते हैं।

लेकिन प्रेसवार्ता में अरविंद नेताम के दिए गए झूठे भ्रामक और मनगढ़ंत बयानों से दीपक बैज के सामाजिक प्रभाव और सम्मान पर गहरा असर पड़ा है। उनकी छवि धूमिल हुई और मानसिक रूप से आहत हुए हैं। पूरे प्रदेश में अनकी प्रतिष्ठा मान मर्यादा खराब हुई है। जानबूझ कर झूठे आरोप लगाते हुए मेरे पक्षकार के राजनीतिक भविष्य की हत्या करने की कोशिश की गई है। जिस कारण मेरे पक्षकार के सामाजिक प्रतिष्ठा की हानि हुई है। जिसके लिए एक मात्र आप जिम्मेदार है।

अत्यंत असम्मानित महसूस कर रहे

नोटिस में लिखा है कि आपने राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए मेरे पक्षकार के मान सम्मान और प्रतिष्ठा को आहत किया है। मेरे पक्षकार को सामाजिक रूप से रिश्ते-नातेदार उनसे जुड़े लोग, हर वर्ग और हर उम्र के लोगों में उनकी छवि धूमिल हुई है। जिससे वो असम्मानित महसूस कर रहे हैं। उनकी धार्मिक भावना आहत हुई है।

यह कृत्य भारतीय न्याय संहिता की धारा 353 और 356 के तहत अपराध की श्रेणी में आता है। इसलिए क्यों न आपके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 353 और 356 और मानहानि का मुकदमा कोर्ट में चलाया जाए। इसका जवाब आप मेरे पते पर खुद या अपने वकील के माध्यम से 15 दिन के भीतर पेश करे।

अरविंद नेताम आरएसएस की भाषा बोल रहे- दीपक बैज

अरविंद नेताम नागपुर में आयोजित आरएसएस के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा था कि, धर्मांतरण के विषय पर आरएसएस और आदिवासी समाज को साथ काम करना चाहिए। जिस पर पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा था कि, अरविंद आरएसएस की भाषा क्यों बोल रहे? या तो उनको प्रलोभन दिया गया है या किसी प्रकार का भय है। वह यह सब आदिवासी समाज के सामने बोले तो जानें।

नेताम ने आरएसएस की सराहना की थी

दरअसल, नागपुर में संघ कार्यालय से लौटने के बाद अरविंद नेताम ने 7 जून को रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को कार्यक्रम में आमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया। संघ की कार्यशैली की सराहना की। नेताम ने बताया कि, पहले संघ आदिवासियों को वनवासी कहता था। जिसका उन्होंने विरोध किया। अब संघ आदिवासी शब्द का उपयोग करने लगा है।

धर्मांतरण को लेकर कांग्रेस अपनी नीति स्पष्ट करे

अरविंद नेताम ने कहा कि, धर्मांतरण के बारे में कांग्रेस की क्या नीति है, उन्हें साफ करना चाहिए। आरएसएस की नीति साफ है। धर्मांतरण को लेकर कांग्रेस की क्या नीति है इसे बताएं। दीपक बैज अभी प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख है। वे कह रहे है कि मैं आरएसएस की बात कर रहा हूं, लेकिन मैं समाज की बात कर रहा हूं।

मैं संघ की बात नहीं कर रहा हूं। औद्योगिक नीति, पर्यावरण, विस्थापन जैसे विषयों पर हमने संघ की विचारधारा के विपरीत बात कही है। हम संघ को समझने की कोशिश कर रहे हैं। यह मुद्दे हैं, इसे बैठकर विचार करिए, चर्चा करिए और इसमें रास्ता निकल सकता है।

रेत माफिया ने ग्रामीणों पर 6 राउंड फायरिंग की,3 घायल

राजनांदगांव (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में अवैध खनन रोकने गए लोगों पर रेत माफिया ने 6 राउंड गोली चलाई और जमकर मारपीट भी की, जिसमें तीन युवक घायल हैं। रोशन मंडावी के सिर को छूकर गोली निकल गई, जिसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। वहीं दो अन्य युवक भी घायल हैं। तीनों की हालत फिलहाल सामान्य है। मामला बसंतपुर थाना क्षेत्र के मोहड़ गांव का है।

मेयर मधुसूदन यादव ने अस्पताल में भर्ती रोशन मंडावी से मुलाकात कर उसका हालचाल जाना। बता दें कि अवैध रेत खनन रोकने के लिए ग्रामीण पहुंचे थे, तभी रेत माफिया के साथ उनका विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर माफिया के गुर्गों ने फायरिंग कर लोगों से जमकर मारपीट कर दी।

जानिए क्या है पूरा मामला ?

दरअसल, मोहड़ गांव में 4 दिनों से अवैध रेत खनन चल रहा था, जिसे लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। इसी बीच बुधवार की रात रेत चोरों को पकड़ने ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इस दौरान वहां कुछ युवकों ने कट्टे से 6 राउंड फायरिंग की।

इसमें गांव के युवक रोशन मंडावी के सिर को गोली छूते हुए निकल गई। वारदात की जानकारी मिलते ही बसंतपुर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन ग्रामीणों ने पुलिस की गाड़ी को गांव में घुसने नहीं दिया। महिलाओं को सामने कर रास्ता रोक दिया।

ग्रामीण बोले- माफियाओं को पार्षद और खनिज विभाग का संरक्षण

ग्रामीणों का आरोप है कि रेत चोरी को राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण मिल रहा है। रात के अंधेरे में कुछ लोग लगातार रेत चुरा रहे थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि माफियाओं को एक स्थानीय पार्षद, खनिज विभाग और पुलिस का भी संरक्षण मिल रहा है।

एडिशनल एसपी बोले- मामले की जांच की जा रही है

मौके पर पहुंचे एडिशनल एसपी राहुल देव शर्मा ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में एक घायल का इलाज जारी है। वहीं मारपीट में घायल जितेंद्र साहू और रोशन ठाकुर की हालत सामान्य है। वहीं मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल गांव में पुलिस बल तैनात है। दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

20 साल से जान-पहचान...फिर 95 लाख ठगे

सूरजपुर (एजेंसी)। सूरजपुर जिले में 95 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी अशफाक उल्लाह जिसे 20 साल से पहचानता था उसी को अपना शिकार बनाया। अशफाक ने लोगों को बताया कि वे अडाणी ट्रेडिंग कम्पनी में काम करते हैं और इन्वेस्ट करने वाले को 10 प्रतिशत हर महीने ब्याज देते हैं। 17 प्रतिशत ब्याज के साथ 6 महीने में पैसा दोगुना करने के लालच में आकर व्यापारी दिनेश जैन (47 साल) ने पहले तो 10 लाख दिए फिर रिश्तेदारों से लेकर करीब 95 लाख दे डाले। 6 महीने बाद जब वे पैसे मांगने गए तो आरोपी ने उनसे गाली गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। मामला सूरजपुर थाना क्षेत्र का है। ठगी के आरोपी अशफाक उल्लाह और उसका परिवार भी शामिल है। सभी के खिलाफ पहले से 85 शिकायते दर्ज है। 6 महीने पहले 10 करोड़ ठगने के आरोप में पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया गया था। पीड़ित दिनेश की शिकायत पर पिता-पुत्र को फिर गिरफ्तार किया गया है।

कारोबारी ने नकली फर्मों से 26 करोड़ टैक्स चोरी की:अमन अग्रवाल की पहली गिरफ्तारी, मृतकों के नाम से जारी नंबर इस्तेमाल किए

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के जीएसटी विभाग ने टैक्स चोरी को लेकर लोहा कारोबारी अमन अग्रवाल (32) की पहली गिरफ्तारी की है। अमन को बुधवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

अमन पर आरोप है कि, वो बोगस फर्मों और मृतकों के नाम से जारी नंबर का उपयोग कर रहा था। उसने 145 करोड़ रुपए के फर्जी बिलों के आधार पर 26.9 करोड़ रुपए के इनपुट टैक्स क्रेडिट का फ्रॉड कर राजस्व नुकसान पहुंचाया। अग्रवाल अगस्त्य फर्म के जरिए स्क्रैप और लोहे का व्यवसाय करता है। यह फर्म 2023-24 में रजिस्टर्ड हुई थी।

बोगस फर्मों के जरिए खरीदी-बिक्री

जांच में पाया गया कि, आरोपी ने 2023-24, 2024-25 और 2025-26 वित्तीय साल में बोगस फर्मों के जरिए खरीदी-बिक्री दर्शाई। फर्म ने अपने नाम पर फर्जी फर्मों के इनवायस के माध्यम से आईटीसी का फ्रॉड किया। उसे अन्य फर्मों को भी पासऑन किया। उसने जिन फर्मों के साथ बिक्री दर्शाई वे फर्में भी जाली निकलीं।

इस वजह से शासन के कोष को करीब 26.9 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ। इन फर्जी इनवायसों के पीछे 10 बोगस आपूर्तिकर्ता फर्मों के नाम सामने आए हैं। इन फर्मों की जीएसटीआर-2बी

रिपोर्ट में कोई भी डेटा उपलब्ध नहीं था। इससे यह साबित हो गया कि आपूर्ति के बिना ही फर्जी आईटीसी का दावा किया गया।

ये फर्में अस्तित्व में ही नहीं हैं। इनमें से पांच फर्मों के पंजीयन मार्च और अप्रैल 2025 में कराए गए थे। बाकी 4 के पंजीयन जुलाई 2024 के बाद लिए गए हैं। इनमें से 8 फर्मों के पंजीयन निरस्त किए जा चुके हैं।

पेपर में मृतक को बताया जिंदा

अमन अग्रवाल ने ऐसे-ऐसे व्यक्तियों के नाम से बोगस फर्म तैयार किया, जिनकी मौत 2010 में हो गई थी। लेकिन 2013 और 2015 में उससे खरीदी दिखाई गई। जबकि उन दस्तावेजों का उपयोग 2025 में पंजीयन के लिए किया गया। जांच में पता चला कि आरोपी अग्रवाल के साथ कुछ और लोग सिंडिकेट की तरह काम करते थे। विभाग इस सिंडिकेट की जांच कर रहा है।

इस तरह फर्म से फर्जी पंजीयन प्राप्त कर इनपुट टैक्स क्रेडिट का गलत लाभ लिया। यह छत्तीसगढ़ वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम 2017 की धारा 16 की शर्तों का उल्लंघन है। इन परिस्थितियों के आधार पर अग्रवाल को इस नियम की धारा 132 (1)(बी) एवं 132 (1)(सी) के तहत गिरफ्तार किया गया है। विभाग यह कोशिश कर रहा है कि, फर्जी लेनदेन और टैक्स फ्रॉड में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

सीजीएसटी में 48 लोगों की गिरफ्तारियां

सूत्रों का कहना है कि, दूसरे मामलों में दो आरोपी फरार हैं। अब विभाग इस तरह के मामलों में तेजी लाएगा। उधर, सीजीएसटी विभाग की दोनों विंगों ने अब तक लगभग 48 लोगों को अरेस्ट किया है। हालांकि गिरफ्तारी का अधिकार जीएसटी और सीजीएसटी विभाग दोनों को ही है।

ये हैं फर्में

हुसैनी इंटरप्राइजेस, यूनिक इंटरप्राइजेस, धनलक्ष्मी इंटरप्राइजेस, अंसारी ट्रेडर्स, अगस्त्य इंटरप्राइजेस, ललित ट्रेड लिंक, विनायका वेंचर्स, महावीर इंटरप्राइजेस, जय भोले इंटरप्राइजेस और ब्रिस्टल मल्टी ट्रेड।

फर्जी कारोबार पकड़ने में अफसरों को लगे 16 दिन, गरियाबंद में नहीं मिली फर्म

अमन अग्रवाल तक पहुंचने, बोगस फर्मों और 145 करोड़ रुपए के फर्जी कारोबार का भंडाफोड़ करने में जीएसटी टीम को 16 दिन लगे। जब जीएसटी की टीम ने एक आयकर इंडस्ट्रीज में छापा मारा तो जांच में अग्रवाल की तरफ से उस इंडस्ट्रीज से बड़ी खरीदी और आरटीसी का लाभ लेने का भी पता चला।

यह भी पता चला कि लेनदेन में बड़ा कैश पेमेंट हुआ है। इसके बाद अग्रवाल और उसकी फर्म शक के दायरे में आई। जॉइंट कमिश्नर नरेंद्र वर्मा ने जांच टीम बनाई जिसमें डिप्टी कमिश्नर नरेंद्र पटेल, श्रवण महतो, असिस्टेंट कमिश्नर वैभव प्रधान और इंस्पेक्टर अजय कौशिक शामिल थे। जांच टीम ने जीएसटी एनालिसिस एंड इंटेलिजेंस नेटवर्क खंगाला तो अग्रवाल और उसकी फर्म का डिटेल सामने आ गया।

वहां रेड फ्लैग भी दिखा। पड़ताल में पता चला कि, इनमें से कुछ फर्मों का ही पंजीयन वैलिड है। कुछ बंद हो चुकी हैं। गरियाबंद के पते पर जांच करने पर पता चला कि फर्म ही नहीं है। जिसके नाम किरायानामा है उसका तो 2010 ही निधन हो चुका है। इसके बाद अग्रवाल को धर दबोचा गया।

जांच टीम अब इस सिंडिकेट को पकड़ने में लगी है। यह दिलचस्प ही है कि कोर्ट में अग्रवाल की तरफ से जमानत की अर्जी नहीं लगाई गई, लेकिन उनका वकील जमानत पर बहस करता रहा।

हम सभी की साझी भागीदारी से ही पर्यावरण संरक्षण का संकल्प होगा पूरा-मुख्यमंत्री

रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित फाइट अगेंस्ट ग्लोबल वार्मिंग कैंपेन कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा, विकास का मूलमंत्र है और यह राष्ट्र के समग्र विकास की प्रारंभिक तथा अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि निजी शिक्षण संस्थानों ने भी शिक्षा के विस्तार में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसे प्राप्त करने में हम सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। राज्य सरकार ने इसी उद्देश्य को ध्यान में

रखते हुए विकसित छत्तीसगढ़ का विज़न डॉक्यूमेंट तैयार किया है और इस दिशा में निरंतर प्रयासों को गति प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 25 वर्ष का छत्तीसगढ़ अपनी रजत जयंती मना रहा है और इस यात्रा में राज्य ने चहुंमुखी विकास की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे प्रतिष्ठित केंद्रीय संस्थान कार्यरत हैं, जो राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की गंभीर चुनौती से जूझ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने वर्ष 2070 तक नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य तय किया है, जिसकी दिशा में देश ने तीव्र गति से कदम बढ़ाए हैं। छत्तीसगढ़ ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने की दिशा में अग्रसर है। राज्य की आकर्षक नई औद्योगिक नीति के तहत केवल ऊर्जा क्षेत्र में ही तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में वृक्षारोपण का विशेष अभियान चलाया जा रहा है और विगत वर्ष चार करोड़ पौधे रोपे गए थे। राज्य सरकार एक पेड़ माँ के नाम और पीपल फॉर पीपुल जैसे नवाचार कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें नौनिहालों में पर्यावरण चेतना का विकास करना चाहिए, जिससे वे स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित भविष्य की नींव रख सकें। उन्होंने इस अभियान में भाग ले रहे सभी शिक्षकों और आयोजकों की सराहना की और कहा कि सामाजिक भागीदारी से ही हम शुद्ध हवा, निर्मल जल और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित कर सकते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने संघ द्वारा आने वाले वर्षों में 11 लाख पीपल के वृक्षारोपण के संकल्प की सराहना की।

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने यूनिसेफ,डबल्यूएचओ,एम्स सहित 05 संस्थाओं के साथ ऐतिहासिक एमओयू

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश में स्वास्थ्य सेवा तंत्र को मजबूत, समावेशी और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 05 प्रमुख राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। नवा रायपुर स्थित महानदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के साथ साझा दायित्वों और लक्ष्यों पर सहमति बनी। कार्यक्रम के दौरान सचिव, लोक स्वास्थ्य अमित कटारिया, आयुक्त सह संचालक डॉ प्रियंका शुक्ला, संचालक महामारी नियंत्रण डॉ एस. के. पामभोई आदि उपस्थित थे।

इस मानसून एक पेड़ अवश्य लगाएं...

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार

जरूरत के बगैर भी लोगों का ख्याल रखना एक अच्छे व्यक्तित्व की पहचान है।

- अजय जायसवाल

वर्ष 16, अंक - 10 | आषाढ़ कृष्ण पक्ष द्वितीया, विक्रम संवत् 2082, कोरबा, शुक्रवार दिनांक 13 से 19 जून 2025 | पृष्ठ - 8, मूल्य - 3.00/-

राजा की हत्या का मास्टर माइंड राज कुशवाह

इंदौर/शिलांग (एजेंसी)।

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या का मास्टरमाइंड सोनम का प्रेमी राज कुशवाह है। उसने राजा और सोनम की शादी के 11 दिन पहले मर्डर का प्लान बना लिया था। यह खुलासा मेघालय पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने किया है।

शिलॉन्ग एसपी विवेक स्येम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि तीन आरोपी विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी 19 मई को ही शिलॉन्ग पहुंच गए थे। राजा की हत्या के बाद सोनम 25 मई को इंदौर पहुंची। यहां वह 7 जून तक रही। इसके बाद राज के साथ ही गाजीपुर गई।

बता दें कि 11 मई को शादी के बाद 21 मई को राजा-सोनम शिलॉन्ग पहुंचे थे। 23 मई को परिवार से आखिरी बात हुई थी। 2 जून को राजा का शव मिला था। 17 दिन से गायब सोनम 9 जून को गाजीपुर में मिली थी। इसके बाद ही हत्याकांड का खुलासा हुआ था।

सूदखोर वीरेंद्र तोमर की पत्नी पुलिस हिरासत में

रायपुर में कथित महिला वकील भी पकड़ाई, तोमर ब्रदर्स के बारे में चल रही पूछताछ

रायपुर (एजेंसी)।

रायपुर के सूदखोर तोमर ब्रदर्स फरार चल रहे हैं, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है। इसी बीच पुलिस ने वीरेंद्र सिंह तोमर की पत्नी शुभ्रा सिंह तोमर और उनके कथित महिला वकील को हिरासत में लिया है। उनसे तोमर ब्रदर्स के बारे में भी पूछताछ की जा रही है। घटना पुरानी बस्ती थाना इलाके की है। बताया जा रहा है कि, तोमर ब्रदर्स के घर के बाहर गुरुवार को कुछ पत्रकार कवरेज करने पहुंचे थे। जिस पर कथित महिला वकील संगीता सिंह ने कहा कि, क्यों कवरेज कर रहे हैं। कैमरा तोड़ दिया गया और छीनने की भी कोशिश की गई। फिर बातचीत के दौरान विवाद हो गया। इस दौरान पत्रकारों से झूमाझटकी और दुर्व्यवहार भी किया गया।

अहमदाबाद में एयर इंडिया का बोइंग विमान क्रेश : गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री रूपाणी सहित 241 यात्रियों की मौत, एक जिंदा बचा

अहमदाबाद (एजेंसी)।

फ्लाइट नंबर एआई-171 ने दोपहर 1.38 बजे उड़ान भरी और 1.40 बजे हादसा हो गया। उस समय प्लेन 625 फीट की ऊंचाई पर था।

अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। अब तक हादसे में केवल एक यात्री के जिंदा बचने की बात आई है। बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है।

न्यूज एजेंसी ANI ने पुलिस कमिश्नर के हवाले से जानकारी दी कि प्लेन की सीट नंबर 11-A पर बैठे हुए भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार हादसे में जिंदा बच गए हैं। उनका वीडियो भी सामने आया है। इससे पहले AP ने कहा था कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है।

एअर इंडिया की उड़ान संख्या AI-171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। 103 पुरुष, 114 महिलाएं, 11 बच्चे और 2 नवजात शामिल हैं। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे।

पूर्व सीएम विजय रूपाणी

प्रधानमंत्री ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भीषण हादसे पर गहरा दुख प्रकट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा - अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह दिल दहला देने वाली घटना है। मेरी संवेदनाएं प्रभावित परिवारों के साथ हैं। सरकार की ओर से हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है।

टाटा ग्रुप का बड़ा ऐलान : मृतकों के परिजनों को देंगे एक-एक करोड़

अहमदाबाद में हुई एयर इंडिया फ्लाइट AI171 की भीषण दुर्घटना के बाद 242 लोगों में 241 लोग मारे गए। वहीं इस बीच टाटा ग्रुप ने पीड़ितों के परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने घोषणा की है कि प्रत्येक मृतक के परिवार को 1 करोड़ रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, घायलों के इलाज का पूरा खर्च भी टाटा ग्रुप उठाएगा, जिससे प्रभावित परिवारों को कुछ राहत मिल सके।

मुख्यमंत्री साय ने जताई संवेदना

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुजरात से लंदन जा रही प्लेन के क्रेश होने की घटना और इसमें मृत लोगों के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए उनके प्रति संवेदना प्रकट की है। ज्ञातव्य हो कि प्लेन में सवार 242 लोगों में से 241 मारे गए, जिसमें गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी भी शामिल है।

जब होश आया, चारों ओर लाशें ही लाशें थीं - विश्वास

इस भीषण हादसे में एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने हर किसी को चौंका दिया है — सीट नंबर 11A पर सवार एक यात्री चमत्कारी रूप से जीवित मिला है। 40 वर्षीय विश्वास कुमार रमेश नाम के यात्री ने बताया कि हादसे के बाद जब उन्हें होश आया, उनके चारों तरफ केवल लाशें और जलता मलबा था। तेज आवाज आई और 30 सेकंड्स में सब खत्म हो गया। जब होश आया, तो मेरे पास किसी ने आकर मुझे बाहर निकाला और एम्बुलेंस में डाला।

प्लेन क्रैश होने की वजह आई सामने...

एविएशन एक्सपर्ट्स की मानें तो विमान ने सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सामान्य टेकऑफ किया, लेकिन चंद पलों में ही सब कुछ बदल गया। वरिष्ठ पायलट कैप्टन सौरभ भटनागर के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों इंजन टेकऑफ के समय 'बर्ड हिट' (पक्षी से टकराव) की वजह से फेल हो गए। इंजन की ताकत खत्म होने से विमान ऊंचाई नहीं पकड़ पाया और जमीन की ओर गिरने लगा और एक हास्पिटल से टकराकर क्रैश हो गया।

अहमदाबाद में प्लेन डॉक्टर हॉस्टल की 4 बिल्डिंग से टकराया:लंच के समय अतुल्य हॉस्टल में 50-60 इंटर्न डॉक्टर मौजूद थे, 6 शव मिले

अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन सिविल हॉस्पिटल के हॉस्टल की 4 बिल्डिंग से टकराया था। जिनमें रेजिडेंट डॉक्टर रहते थे। घटना के दौरान हॉस्टल में 50 से 60 इंटर्न डॉक्टर्स मौजूद थे। ज्यादातर मेस में लंच कर रहे थे। धमाके का असर इतना ज्यादा था कि अंदर मौजूद डॉक्टरों के शव भी टुकड़ों में बिखर गए। यहां से छह शव निकाले जा चुके हैं। विमान में आग लगने से उठे धुएं से हॉस्टल की बिल्डिंग पूरी तरह काली पड़ गई है। हर तरफ सिर्फ मलबा पड़ा है। हॉस्टल खंडहर जैसा हो गया है। करीब 50 डॉक्टर्स घायल हुए हैं। इन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रेस्क्यु आपरेशन जारी है।

भारत ने रच दिया इतिहास, अमेरिका-चीन, जर्मनी सबको छोड़ा पीछे

मुंबई (एजेंसी)।

अक्टूबर 2024 से फरवरी 2025 तक भारत के शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली थी। इस 5 महीने की गिरावट में बाजार से करीब 90 लाख करोड़ रुपये (लगभग 15%) मिट गए थे। निवेशकों को भारी नुकसान हुआ था। लेकिन मार्च 2025 से मई 2025 के बीच बाजार ने जबरदस्त वापसी की। यह उछाल सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दुनियाभर के निवेशकों ने इसकी गूंज महसूस की। खास बात तो ये है कि दुनिया के टॉप 10 शेयर बाजारों के मुकाबले में भारत के शेयर बाजार की वैल्यूएशन में सबसे ज्यादा 21 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। वैल्यूएशन के हिसाब से देखें तो मौजूदा समय में भारत दुनिया का सबसे 5वां सबसे बड़ा शेयर बाजार है।

1 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा

मार्च 2025 की शुरुआत से अब तक भारत के शेयर बाजार की वैल्यूएशन 1 ट्रिलियन डॉलर बढ़ गई है। पहले भारत का मार्केट कैप 4.3 ट्रिलियन डॉलर था, अब यह बढ़कर 5.3 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। 21% की यह बढ़त दुनिया के किसी भी बड़े शेयर बाजार से ज्यादा है। भारत अब दुनिया का 5वां सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है।

सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी

4 मार्च से 11 जून 2025 तक :

सेंसेक्स में 13% (9,525 अंक) की बढ़त

निफ्टी में 14% (3,058 अंक) की उछाल

BSE मिडकैप में 20.7% और

BSE स्मॉलकैप में 26% की तेजी आई है।

गिरावट का दौर भी रहा मुश्किल

27 सितंबर 2024 को सेंसेक्स 85,978 के रिकॉर्ड स्तर पर था, लेकिन 4 मार्च 2025 तक यह गिरकर 72,989 पर आ गया था। यानी करीब 15% (12,988 अंक) की गिरावट आई थी। निफ्टी भी इसी दौरान 16% (4,194 अंक) टूटा था।

दुनिया के बाकी शेयर बाजारों का हाल

भारत के बाद सबसे ज्यादा बढ़त इन देशों ने हासिल की :

जर्मनी - 14%

कनाडा - 11%

हांगकांग - 9%

जापान व यूके - 8%

चीन - 2.7%

अमेरिका (दुनिया का सबसे बड़ा बाजार)- सिर्फ 2.4%

कमाई के अनुमान घटे

जानकारों के मुताबिक, आने वाले समय में कंपनियों की कमाई यानी EPS (Earnings Per Share) के अनुमान थोड़े कमजोर हो सकते हैं। FY25 में मामूली बढ़त है, लेकिन FY26 और FY27 के लिए EPS अनुमान घटाए गए हैं। विश्लेषकों का मानना है कि ये कटौती कंपनियों के कमजोर नतीजों की वजह से है।

कोसाबाड़ी मंडल में संकल्प से सिद्धि कार्यशाला आयोजित, जनकल्याणकारी योजनाओं की दी गई व्यापक जानकारी

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश बढ़ रहा आगे - विकास अग्रवाल

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में चलाए जा रहे संकल्प से सिद्धि पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत कोरबा जिले के कोसाबाड़ी मंडल में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन महाराणा प्रताप नगर सामुदायिक भवन में किया गया। यह कार्यशाला देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 11 वर्ष के सफलतम कार्यकाल के उपलक्ष्य में आयोजित की गई, जिसमें विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने हेतु अनेक विषयों पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडल प्रभारी विकास अग्रवाल रहे। उन्होंने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि देश को पहली बार सक्षम नेतृत्व और सख्त फैसला लेने वाला प्रधानमंत्री मिला है। उनके नेतृत्व में आज देश हर क्षेत्र में तरक्की कर रहा है। भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था इसका प्रमाण है। रेल, सड़क एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए। जम्मू कश्मीर के चिनाब नदी में दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल अधोसंरचना विकास का प्रमाण है। भारत ने तरक्की की और देश खुशहाली की ओर बढ़ रहा है। मोदी है तो मुमकीन है... यह सब धीरे-धीरे हो रहा है और विकसित भारत का संकल्प भी 2047 तक पूरा होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला सहसंयोजक श्रीमती मंजू सिंह एवं बलराम विश्वकर्मा ने की। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, बलिदान दिवस एवं आपातकाल जैसे विषयों पर केंद्रित आगामी आयोजनों की

जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं को जन-जागरण और जनसंपर्क के माध्यम से इन्हें जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मंडल स्तर के प्रदेश, जिला एवं मंडल पदाधिकारी, वरिष्ठ जन, जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, संयोजक, सहसंयोजक, बूथ अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यशाला के अंतर्गत सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल तक पहुँचाने हेतु दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सभी कार्यकर्ताओं ने मिलकर पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यह कार्यशाला क्षेत्र में संगठनात्मक मजबूती एवं समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं के लाभ को पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई।

छत्तीसगढ़ के उमेश ने दक्षिण अफ्रीका में रचा इतिहास

90 किमी की अल्ट्रा मैराथन 11 घंटे 42 मिनट में पूरी की,प्रदेश के पहले फिनिशर बने

राजनांदगांव (एजेंसी)।

राजनांदगांव के उमेश काकिरवार ने दक्षिण अफ्रीका की कामरेड अल्ट्रा मैराथन 2025 में छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। उन्होंने 90 किलोमीटर की दौड़ 11 घंटे 42 मिनट 37 सेकंड में पूरी की। इस उपलब्धि के साथ वे छत्तीसगढ़ के पहले अल्ट्रा मैराथन फिनिशर बन गए हैं। मैराथन पीटर मेरिटजबर्ग से सुबह 5:45 बजे शुरू हुई। उमेश ने शाम 5:27 बजे डरबन में फिनिश लाइन पार की। दौड़ में बोथास हील की कठिन चढ़ाई समेत कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस दौरान शारीरिक क्षमता के साथ मानसिक दृढ़ता और अनुशासन की भी परीक्षा ली गई। राजनांदगांव रनर्स के सदस्य उमेश ने यह सफलता नियमित अभ्यास से हासिल की है।

ए सी हटाने कहा तो विधायक बोले- गोली मार दूंगा

जांजगीर-चांपा।

जांजगीर-चांपा के जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू पर पड़ोसी से मारपीट और धमकी देने का केस दर्ज हुआ है। चांपा थाने में विधायक के खिलाफ उनके पड़ोसी ने शिकायत की है कि, उन्हें गोली मारने की धमकी दी गई है। एसी की आउटडोर यूनिट हटाने को लेकर ये विवाद हुआ है। हालांकि विधायक ने भी पड़ोसी के खिलाफ काउंटर केस कराया है।

मामला चांपा थाना का है। पड़ोसी चंद्रशेखर राठौर ने आरोप लगाया है कि विधायक ने अपने घर का एसी का आउटडोर यूनिट और चिमनी का धुआं उनके जमीन पर लगा दिया था। विधायक से इसे हटाने के लिए पहले भी कहा गया था।

विधायक ने दी जान से मारने की धमकी

10-15 दिन बीत जाने के बाद जब फिर से एसी के आउटडोर यूनिट को हटाने के लिए कहा, तो विधायक ने मना कर दिया। इसी दौरान जब युवक के जीजा ने भी विधायक से एसी के आउटडोर यूनिट को हटाने के लिए कहा तो वो अपने गनमैन के साथ पोर्च में घुस गया। आरोप है कि, विधायक बालेश्वर साहू ने जान से मारने की धमकी दी। विधायक ने कहा, गेट से बाहर निकलकर दिखा, तुझे गोली मरवा दूंगा। जीजा जब घटना मोबाइल से? रिकॉर्ड कर रहे थे, तभी विधायक ने उन्हें तीन-चार थप्पड़ मारा और मोबाइल छीन लिया। इसके बाद विधायक के खिलाफ थाने में शिकायत की गई।

सुविचार

मैं एक छोटा आदमी हूं और छोटे-छोटे लोगों के लिए बड़े-बड़े काम करना चाहता हूं...।

- नरेन्द्र मोदी

मोदी सरकार के 11 साल

26 मई 2014 को देश को एक ऐसा प्रधानमंत्री मिला, जो देश के नेतृत्व को सक्षम बनाया और पंगु नेतृत्व से उभारा। पूरा देश एनडीए सरकार के 11 साल की उपलब्धियों की गाथा सुन रहा है और भाजपा कार्यकर्ता गाथा सुना रहे हैं। यदि हम मोदी सरकार के इन 11 सालों की सबसे बड़ी उपलब्धि की बात करें तो, स्वच्छ भारत अभियान ने भारत की तस्वीर ही बदल दी। नदियों, मैदानों, तालाबों और सार्वजनिक स्थानों में जहां चलने लायक नहीं रहता था, वहां आज सोने जैसी स्वच्छ जगहा दिखाई देता है। लोगों को मोदी ने स्वच्छता का पाठ पढ़ा दिया। एक देश - एक कर, एक देश - एक राशन कार्ड, नोट बंदी, स्वच्छ गंगा योजना, आयुष्मान योजना, उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि, डीएमएफ सहित रेल, हाईवे सहित इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में ऐसे अभूतपूर्व कार्य हुए, जिससे देश की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली। आज हम चौथी अर्थव्यवस्था बन गए हैं और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प भी है, यही तो संकल्प से सिद्धि है...। **- संपादक**

पीएम मोदी ने गिनाई उपलब्धियां

इंफ्रास्ट्रक्चर में क्रांति के 11 साल

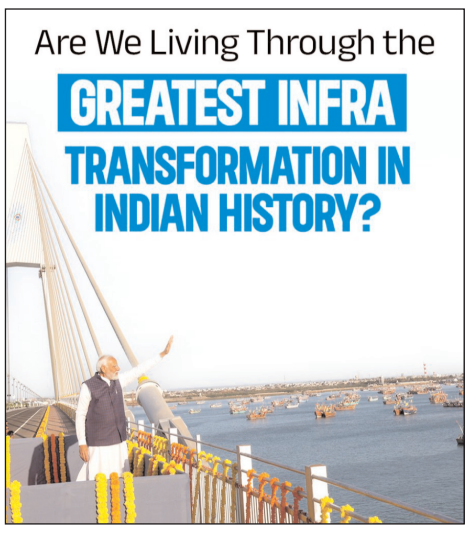

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार 11 जून को कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश के बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) में बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने इसे भारत की प्रगति और आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा-

एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव की इस यात्रा को 11 साल हो गए हैं। रेलवे, हाईवे, बंदरगाह और हवाई अड्डों जैसे क्षेत्रों में बेहतरीन ढांचा तैयार किया गया है, जिसने देश के विकास को तेजी दी है। भारत का यह बढ़ता इंफ्रा नेटवर्क लोगों का जीवन आसान बना रहा है और समृद्धि को बढ़ावा दे रहा है।

भारत अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे के निर्माण में जुटा

पीएम मोदी ने आगे कहा, भारत अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे के निर्माण में जुटा है, जो स्थिरता और दीर्घकालिक सोच से प्रेरित है। यह प्रयास आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव तैयार कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने इस बदलाव की मुख्य बातें भी साझा कीं। इसमें आधुनिक हाईवे और रोपवे का निर्माण, समुद्री क्षमताओं का बेहतर उपयोग, 'उड़ान' योजना के तहत सस्ती हवाई सेवाएं और भारतीय रेलवे में बड़े बदलाव शामिल हैं।

यही है नए भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर वादा

उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना, वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत और हाल ही में शुरू की गई अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी योजनाएं भारतीय रेलवे में एक बड़ी क्रांति की ओर इशारा करती हैं। इसके अलावा, केंद्र सरकार की ओर से एक्स पर एक आधिकारिक पोस्ट में इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए हो रही प्रगति को दोहराया गया।

हर भारतीय के सपनों के लिए एक सुंदर आधार तैयार कर रहा है

इस पोस्ट में कहा गया, स्मार्ट शहर, सुरक्षित सड़कें और आसान यात्रा - यही है नए भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर वादा। पोस्ट में आगे कहा गया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का बुनियादी ढांचा तेजी से भविष्य की ओर बढ़ रहा है। यह सिर्फ निर्माण की नहीं, बल्कि इस्पात और आत्मा के मेल की यात्रा है। हर मील का पत्थर एक अरब से ज्यादा लोगों की उम्मीदों को साथ लेकर चलता है। राजमार्ग दूरी कम करते हैं, पुल समुदायों को जोड़ते हैं और डिजिटल नेटवर्क नवाचार को बढ़ावा देते हैं। भारत केवल इमारतें नहीं बना रहा, बल्कि आत्मविश्वास, कनेक्टिविटी और हर भारतीय के सपनों के लिए एक सुंदर आधार तैयार कर रहा है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने इस साल केंद्र में अपने 11 साल पूरे किए

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने इस साल केंद्र में अपने 11 साल पूरे किए हैं। पीएम ने पहली बार 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। तब से उन्होंने देश को एक परिवर्तनकारी विकास यात्रा पर आगे बढ़ाया है। इस अवसर पर सरकार विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियां सामने ला रही है। इसमें बुनियादी ढांचे को 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक अहम प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी 2001 से 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। आज वह भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले नेताओं में से एक हैं।

छत्तीसगढ़:पर्यटन

कमल वैष्णव: वरिष्ठ पत्रकार

ये वादियां... ये फिजाएं... बुला रही हैं तुम्हें

सौंदर्य से परिपूर्ण:चैतुरगढ़ के शंकर खोला को पर्यटन विकास की दरकार

कोरबा जिले का बारहमासी, सदाबहार धार्मिक पर्यटन स्थल चैतुरगढ़ किसी परिचय का मोहताज नहीं है, किन्तु यहां स्थित शंकरखोला आज भी उपेक्षित है, जहां पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं,जिसे विकसित कर सुविधा बढ़ाने की आवश्यकता है। पर्यटन के रूप में विकसित होने के बाद शंकरखोला कोरबा का एक शानदार और आकर्षक पर्यटन स्थल बन सकता है और सैलानियों का पसंदीदा स्थल भी, लेकिन शासन-प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा से यह सौंदर्य का खजाना उपेक्षित और विलोपित सा है।

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में मैकाल पर्वत श्रृंखला की एक ऊंची चोटी पर चैतुरगढ और इसका अभेद्य किला स्थित है। यह मंदिर प्राचीन कल्चुरी शासकों ने 14वीं शताब्दी में बनवाया था। मंदिर के गर्भगृह में 12 भुजाओं वाली मां महिषासुर मर्दिनी की मूर्ति स्थापित है। चैतुरगढ़, मां महिषासुर मर्दिनी मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। इसकी ऐतिहासिक महत्ता है, जो क्षेत्र की आस्था से भी जुड़ा है। चैतुरगढ़ की पहाड़ियों को उनकी प्राकृतिक सुंदरता और रोमांचकारी अनुभवों के लिए जाना जाता ह। इसे छत्तीसगढ़ का कश्मीर भी कहा जाता है, क्योंकि यहां गर्मी के मौसम में भी तापमान सामान्य से न्यूनतम होता है। यह छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों में से एक है। पिछले कुछ वर्षो में कई विकास कार्य हुए हैं। सबसे अच्छी बात पहाड़ी पर स्थित होने के बाद सरल सुगम पहुँच मार्ग सहित पर्यटन सुविधा के कार्य भी हुए हैं।

इसी चैतुरगढ़ किले में मन्दिर से 3 किमी दूर दूसरे छोर पर स्थित प्रसिद्ध प्राचीन मान्यताओं से जुड़ी 'शंकर गुफा' भी है। जहां दूर दूर से भक्त अपनी मनोकामनाएं लेकर दर्शन के लिए पहुंचते हैं। यह जगह एकांत और मन की शांति के लिए अपने आप में बहुचर्चित और प्रसिद्ध है। भक्त इस जगह को लेकर एकदम शांत माहौल शुद्ध वातावरण की वजह से एकमात्र स्थान भी मानते हैं, लेकिन इतनी प्रसिद्धि के बाद भी शंकर गुफा का रास्ता अपने भक्तों के सुगमता के लिए आज भी तरस रहा है। शासन प्रशासन की अनदेखी की वजह से पहुँच मार्ग तक नहीं बन पाया है। शंकर खोला पॉइंट से नीचे गुफा जाने तक का पैदल रास्ता है, जो दुर्गम और खतरनाक है। आज तक इस रास्ते में पक्की सीढ़ी व रेलिंग का निर्माण नहीं हो सका है। इसी कारण से माता के दर्शन और आसपास घूमने तीर्थाटन करने के बाद भक्त और यात्री चैतुरगढ़ के पूरे किले, ऐतिहासिक और पुरातत्वविक धरोहरों का पूरा दीदार नहीं कर पाते हैं और वापस चले जाते हैं। जबकि जैव विविधता,वन्य जीवों,प्राकृतिक सुन्दरता से यह स्थल ओतप्रोत है। किले के चारों ओर वाचिंग टावर से प्रकृत्ति से रूबरू होना रोमांचित कर देता है। जंगल के सन्नाटे के बीच जल प्रपात के शोर जैसी कई अन्य खूबसूरती का अनुभव नहीं उठा पाते हैं। चैतुरगढ़ के पूरे किले की परिक्रमा,चारों प्रवेश द्वार, वाचिंग टावरों को जोड़ने एक सुगम सड़क बनाने की आवश्यकता है। मन्दिर से शंकर खोला स्थल तक पहुँच मार्ग तथा यहां आवागमन के लिए बैट्री चलित वाहन सुविधा हो जाए, तो यह सोने पे सुहागा होगा और इससे शंकर गुफा जाने वाले भक्तों की संख्या भी बढ़ जाएगी।

स्वर्ग सा नजारा...

यहां की हरिभरी वादियों के कारण बारहों महीना सैलानियों का रेला लगा रहता है। मंत्रियों सहित वीआईपी यहां आते हैं, लेकिन उपेक्षित है।

धार्मिक पर्यटन की असीम संभावनाएं

शंकर गुफा अपने आप में ऐतिहासिक है और धार्मिक पर्यटन की यहां असीम संभावनाएं हैं।

दुनिया का सबसे ऊंचा रेल ब्रिज, जो ना तूफान में क्षतिग्रस्त होगा, ना ही भूकंप में

जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर बना चिनाब ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च पुल है। यह पुल उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना का हिस्सा है। एफिल टावर से भी ऊंचा यह पुल रियासी जिले में दो पहाड़ों को जोड़ता है। इंजीनियरों ने कई चुनौतियों का सामना करते हुए इसे बनाया। स्टील और कंक्रीट से बने इस पुल को तूफान,अत्यधिक तापमान और भूकंप से सुरक्षित बनाया गया है। कश्मीर तक रेल का सपना आज पूरा हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज जम्मू-कश्मीर को दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात देंगे। कश्मीर तक ट्रेन लाने का काम उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना के अंतर्गत किया गया। दशकों से यह काम जारी था, जो अब जाकर संपन्न हुआ। इस बीच इंजीनियरों को कई बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। इन्हीं में शामिल थी एक सबसे बड़ी चुनौती- चिनाब नदी।

जम्मू के रियासी जिले में दो ऊंचे पहाड़ों के बीच गहरी खाई और नीचे बहती चिनाब नदी थी, जिसे ऊपर से देखने से ही हाथ-पैर कांप जाएं। ट्रेन को एक से दूसरी पहाड़ी पर ले जाना असंभव सा लग रहा था। लेकिन हमारे इंजीनियरों ने हार नहीं मानी।

हिम्मत, हौसले और कुछ कर गुजरने की चाहत ने विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे के आर्च पुल का निर्माण कर दिया, जिसे हम चिनाब ब्रिज के नाम से जानते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 06 जून को वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने के साथ इसका लोकार्पण भी किया। चिनाब रेल पुल स्टील और कंक्रीट का आर्च ब्रिज है। पुल के आर्च की नींव फुटबाल के आधे मैदान जितनी है। इस पुल को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि तूफान आए, अत्याधिक या माइनस में हो तापमान, इस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बड़े भूकंप में भी यह पुल मजबूती से खड़ा रहेगा।

चिनाब ब्रिज फ्रांस के एफिल टावर से भी ऊंचा है। एफिल टावर की ऊंचाई 330 मीटर है, जबकि चिनाब ब्रिज की ऊंचाई 359 मीटर है। इसकी लंबाई 1315 मीटर है और यह 13 मीटर चौड़ा है इसे बनाने में करीब 1486 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

266 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाएं भी यह पुल आसानी से झेल सकता है।

120 साल के लिए तक इस पुल की मजबूती का दावा किया गया है।

पुल में 112 सेंसर लगाए गए हैं, जो हवा की गति, टेंपरचर और कंपन आदि की जानकारी देंगे।

इसे बनाने में 30350 मीट्रिक टन की स्टील का इस्तेमाल किया गया है।

इसे बनाने के लिए उत्तर रेलवे के साथ कोंकण, अफकान और केआरसीएल ने काम किया।

इसके साथ ही डीआरडीओर और भारतीय भौगोलिक सर्वेक्षण जैसी संस्थाएं भी जुड़ी रहीं। आईआईटी रूड़की और आईआईटी दिल्ली ने भी अपना योगदान दिया।

150 सर्वर की सुविधा से लैस अत्याधुनिक नियंत्रण कक्ष बनाया गया है।

पुल इतना मजबूत है कि धमाके से भी इसे नुकसान नहीं पहुंचेगा।

लोकापर्ण : मोदी ने फहराया तिरंगा, दौड़ी वंदे भारत

06 जून को प्रधानमंत्री मोदी ने देश को चिनाब आर्च ब्रिज देश को लोकार्पित किया। यहां के रियासी जिले में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज का उद्घाटन किया। इसके बाद अंजी ब्रिज और कटरा में कश्मीर की पहली ट्रेन कटरा-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने कहा- यह ब्रिज भारत के इतिहास को दर्शाएगा। यह दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल है, जिसे हमारे इंजीनियरों ने बनाकर दुनिया को दिखा दिया, इंजीनियरिंग का कमाल। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य की बात है कि हमारे पड़ोसी मानवता का विरोधी, मेलजोल का विरोधी और कश्मीरियत का विरोधी है। हम मानवता को विश्व तक पहुंचा रहे हैं। यह पुल कश्मीर के विकास और पर्यटन के लिए एक आशीर्वाद बन कर उभरेगा। इस नदी पर पुल बनाना किसी चुनौति से कम नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर हमारे इंजीनियरों ने असंभव को संभव कर दिखाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि- यह मोदी का वादा है, भारत का विकास नहीं रूकने दूंगा। टूरिज्म कश्मीरवासियों की रोजी रोटी का मुख्य साधन है और दुनिया का सबसे बड़ा पुल बन जाने के बाद टूरिज्म बढ़ेगा और लोगों का जीवन स्तर भी सुधरेगा। आजादी के 77 साल बाद चिनाब पर ब्रिज का निर्माण, एक असंभव सपना जो पूरा हो गया। उन्होंने कहा कि इससे टूरिज्म के साथ रेल कनेक्टिविटी और बिजनेस भी बढ़ेगा और कश्मीर का सेब दुनिया तक पहुंचेगा।

सबसे पहले
लाइफ इंश्योरेंस

जीवन के साथ भी
जीवन के बाद भी...

एलआईसी का
जीवन उत्सव

Plan No.: 871 UIN: 512N363V01

उत्सव
मनाने का
गारंटीड तरीका

आजीवन गारंटीड रिटर्न
के साथ

ऑनलाइन भी उपलब्ध

पूर्ण आयु जीवन बीमा एवं लाभ भुगतान के विकल्प

- सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि 5 से 16 वर्ष
- प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारंटीकृत वृद्धि
- नियमित आय लाभ / फ्लेक्सी आय लाभ
- न्यूनतम मूल बीमा राशि 5 लाख

एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग, व्यक्तिगत, बचत, पूर्ण आयु जीवन बीमा योजना

एलआईसी है तो कहीं
और क्यों जाना...

सभी नई पॉलिसियों की अधिक जानकारी के लिए आज ही संपर्क करें-

सालिक राम राजवाड़े
(बीमा अभिकर्ता)
वेदांत बीमा सेवा केंद्र
कार्यालय : प्रेस क्लब तिलक भवन के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
निवास : सत्यनारायण मंदिर के पास, पोड़ी बहार कोरबा, मो.नं.-90987-52955

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

मुख्यमंत्री साय ने बादाम का पौधा लगाया

लोगों से एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ने की अपील

रायपुर।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज कांकेर जिले के संबलपुर स्थित हाई स्कूल मैदान परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बादाम का पौधा रोपित किया। यह कार्यक्रम राज्य में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में एक सशक्त पहल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ कांकेर सांसद भोजराज नाग, अंतागढ़ विधायक श्री विक्रमदेव उसेंडी, विधायक आशाराम नेताम सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, यह माता के प्रति श्रद्धा, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य की संकल्पना है। जब हम अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाते हैं, तो उसमें भावनात्मक जुड़ाव आता है और हम उसकी देखभाल भी पूरे मन से करते हैं। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे इस अभियान में सहभागी बनें और अपनी माता, आराध्य देवी-देव के नाम पर कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल छत्तीसगढ़ को हरित प्रदेश बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। एक पेड़ मां के नाम अभियान एक अभिनव पहल है, जिसका उद्देश्य पर्यावरणीय जागरूकता के साथ सामाजिक और भावनात्मक सरोकार को जोड़ना है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने लगाए पौधे

रायपुर।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने आज यहां राजभवन परिसर, निर्माणाधीन राजभवन परिसर नवा रायपुर, गरियाबंद जिले के ग्राम मड़वाडीह और नगर पंचायत राजिम में बेल, अमलतास, आम के पौधे लगाए। उन्होंने सभी से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में योगदान करे। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना भी उपस्थित थे।

जनपद पोड़ी-उपरोड़ा में वृक्षारोपण

कटघोरा। 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत पौड़ी-उपरोड़ा क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ग्राम पंचायत घुमानीडाड़, सालियाभाटा एवं पचरा में आयोजित किया गया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता का संदेश दिया गया।कार्यक्रम में जनपद पंचायत सीईओ जयप्रकाश डडसेना सहित अधिकारियों ने पौध रोपण किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बालको द्वारा वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान का आयोजन

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए सशक्त अपशिष्ट प्रबंधन और सर्कुलर इकोनॉमी आधारित पहल को सुदृढ़ किया है।

बालको ने अपने टाउनशिप में प्रभावी अपशिष्ट पृथक्करण प्रणाली लागू की है जिससे प्लास्टिक समेत अन्य कचरे का वैज्ञानिक और प्रभावी निपटान सुनिश्चित किया जा सके। रायपुर स्थित अपशिष्ट प्रबंधन साझेदार वेस्टेक इंडिया के सहयोग से कंपनी ने प्लास्टिक कचरे का पर्यावरण अनुकूल तरीके से निपटान सुनिश्चित किया है। प्रोसेस किए गए कचरे को सीमेंट उद्योगों में वैकल्पिक कच्चे माल के रूप में भेजा जाता है, जो बालको की सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देने की दृष्टि के अनुरूप है। दिसंबर 2023 में साझेदारी की शुरुआत के बाद से अब तक 200 मीट्रिक टन से अधिक प्लास्टिक कचरे (नया एवं पूर्ववर्ती कचरा दोनों) का सस्टेनेबल सह-प्रसंस्करण के माध्यम से निपटान किया गया है जो टाउनशिप के प्लास्टिक कचरे के 100 प्रतिशत निपटान को दर्शाता है।

बालको ने सॉलिड एंड लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट सेंटर (एसएलआरएम) की स्थापना की है। यहां घरेलू कचरे को 1000 किलोग्राम क्षमता वाले इलेक्ट्रिक वाहनों से एकत्र किया जाता है और एसएलआरएम यूनिट में इसे रंग-बिरंगे डिब्बों की सहायता से जैविक और अजैविक कचरे में पृथक किया जाता है। जैविक कचरे को खाद में बदला जाता है, जबकि प्लास्टिक कचरे को वेस्टेक इंडिया को भेजा जाता है ताकि उसका जिम्मेदार सह-प्रसंस्करण द्वारा निपटान हो सके। यह प्रणाली वैज्ञानिक निपटान, संसाधन पुनर्प्राप्ति और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देती है। इस प्रक्रिया को सफल बनाने हेतु नियमित प्रशिक्षण सत्रों के माध्यम से निवासियों को घर-स्तर पर कचरा पृथक्करण और प्लास्टिक के विकल्पों के उपयोग हेतु प्रेरित किया जाता है।

साथ ही बालको अपने संयंत्र और समुदाय में पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। इस उद्देश्य से कंपनी ने कई सराहनीय कदम उठाए हैं, जिनमें संयंत्र परिसर और टाउनशिप में सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने हेतु कपड़े के थैलों का वितरण, पर्यावरण अनुकूल ब्रांडिंग और संचार के लिए फैब्रिक सामग्री का उपयोग, संयंत्र परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाने का प्रयास, सभी सीएसआर उत्पाद के लिए कागज़ आधारित पैकेजिंग का प्रयोग तथा जागरूकता अभियान शामिल हैं। ये सभी प्रयास बालको की हरित भविष्य और जिम्मेदार नागरिकता की दिशा में प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं, जिसका उद्देश्य पर्यावरणीय प्रभाव को न्यूनतम करना, संसाधनों का कुशल उपयोग करना और समुदाय के कल्याण को बढ़ावा देना है। वैश्विक पर्यावरण लक्ष्यों के अनुरूप संचालन के माध्यम से बालको भारत को एक सस्टेनेबल और सर्कुलर अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर बालको रेंजर जयंत सरकार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हम अपने पर्यावरण उत्तरदायित्व को मजबूत कर रहे हैं-राजेश कुमार

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा ने कहा कि बालको में सस्टेनेबिलिटी हमारे कार्य संस्कृति का हिस्सा है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हम जिम्मेदार कचरा प्रबंधन एवं सर्कुलर इकोनॉमी समाधानों को अपनाकर अपने पर्यावरणीय उत्तरदायित्व को मजबूत कर रहे हैं।'प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना' थी को ध्यान में रखते हुए हम प्लास्टिक के सस्टेनेबल विकल्प अपना रहे हैं तथा साझेदारियों के माध्यम से पर्यावरण-संवेदनशील और ज़िम्मेदार निपटान की दिशा में कार्य कर रहे हैं। पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने के लिए इस साल भी कंपनी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अपने संयंत्र परिसर और टाउनशिप में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। इसमें 300 से अधिक कर्मचारियों और समुदाय के सदस्यों ने हिस्सा लिया। सभी ने मिलकर 600 से अधिक पौधों का रोपण किया तथा जागरूकता रैली और स्वच्छता अभियान में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। यह पहल एक स्वच्छ और हरित भविष्य के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को दर्शाती है।

वन विभाग कोरबा द्वारा वृहद वृक्षारोपण का शुभारंभ : महापौर, कलेक्टर, डीएफओ सहित आलाअधिकारियों ने किया पौधरोपण

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन विभाग कोरबा की ओर से विशेष जनजागरूकता अभियान का आयोजन किया गया । इस मौके पर एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान की भी शुरुआत की गई । इसका उद्देश्य पर्यावरणीय जीवनशैली को बढ़ावा देना और लोगों को प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ जागरूक करना है । केंद्र और प्रदेश सरकार के निर्देश पर 5 जून से 30 सितंबर तक यह अभियान चलेगा जिसके तहत प्रदेश में 2.75 करोड़ से अधिक पौधों का रोपण किया जाएगा।

कार्यक्रम का आयोजन वन कक्ष क्रमांक 989 आरटीओ ऑफिस कोरबा के ठीक सामने किया गया । इस अवसर पर महापौर नगर पालिक निगम कोरबा श्रीमती संजू देवी राजपूत द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस एवम एक पेड़ माँ के नाम के तहत कार्यक्रम स्थल पर लगाए जा रहे 200 पौधों के रोपण की जानकारी देते हुए सभी नागरिकों को पौधे लगाकर अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर कलेक्टर कोरबा अजीत वसंत द्वारा बताया गया कि पूरे जिले में इस अभियान का संचालन किया जाएगा तथा नव निर्मित प्रधानमंत्री आवास में भी इस अभियान के अंतर्गत पौधा रोपण किया जाएगा। वनमंडलाधिकारी कोरबा मयंक अग्रवाल ने वृक्षारोपण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर देश व समाज को प्लास्टिक मुक्त बनाने की अपील की गई है, हमे अपनी दिनचर्या में कम से कम प्लास्टिक का उपयोग करना चाहिए क्योंकि इससे ना केवल पर्यावरण दूषित होता है, बल्कि जीव जंतु के लिए भी घातक है।

एक पेड़ माँ के नाम 2.0 के तहत वन विभाग द्वारा नि:शुल्क पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है । इस वृहद पौधा वितरण अभियान का उद्देश्य राज्य में व्यापक वृक्षारोपण को बढ़ावा देना है। इस वर्ष किसान वृक्ष मित्र योजना हेतु वनमंडल कोरबा में 2 लाख पौधा रोपण का लक्ष्य रखा गया है। किसान वृक्ष मित्र योजना का उद्देश्य किसान व अन्य हितग्राहियों की निजी भूमि पर व्यावसायिक वृक्षारोपण को बढ़ावा देना है जिससे लकड़ी व अन्य वन उत्पादों से आय प्राप्त होगी, वृक्षारोपण से पर्यावरण सुरक्षित होगा और वन उत्पादों के प्रसंस्करण से रोजगार के अवसर पैदा होंगे । इस योजना से जुड़ने के लिए हितग्राही अपने नजदीकी परिक्षेत्र कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। इस अवसर पर अपर कलेक्टर कोरबा मनोज कुमार बंजारे, एसडीओ उत्तर कोरबा आशीष खेलवार, एसडीओ दक्षिण कोरबा सूर्यकांत सोनी, संलग्नाधिकारी वनमंडल कोरबा श्रीमती तोषी वर्मा, डिवीज़न मैनेजर वन विकास निगम कोरबा दिवाकर पाठक, श्रीमती अर्चना पैकरा प्रशिक्षु सहायक वनसंरक्षक, वनपरिक्षेत्र अधिकारी बालको जयंत सरकार, वनपरिक्षेत्र अधिकारी कोरबा मृत्युंजय शर्मा, वनपरिक्षेत्र अधिकारी कुदमुरा गुटूर साय पैकरा, वन विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारीगण, एनसीसी कोरबा के छात्र छात्रायें, ज्योति भूषण प्रताप सिंह विधि महाविद्यालय के अधिकारी, छात्र छात्रायें, श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय के अधिकारी, छात्रायें, नोवा नेचर वेलफेयर सोसाइटी की टीम, विज्ञान सभा की टीम, आरसीआरएस की टीम मौजूद रही ।

वृक्ष हमारे जीवनदाता हैं, इनका रोपण संवर्धन एवं संरक्षण करना हमारा सर्वाच्च दायित्व है - महापौर संजूदेवी

कोरबा (दिव्य आकाश)।

नगर पालिक निगम महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवनदाता हैं। वृक्षों से ही हमें प्राण वायु मिलती है, पेड़-पौधों व वृक्षों के बिना जीवन संभव नहीं है। अत: वृक्षों का अधिकाधिक रोपण करना, उनका संवर्धन एवं संरक्षण करना हमारा सर्वोच्च दायित्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बढ़ते औद्योगिकीकरण के कारण स्वभाविक रूप से पर्यावरण में प्रदूषण की मात्रा बढ़ रही है। पर्यावरण का संरक्षण करने व प्रदूषण के दुष्प्रभाव को कम करने का सबसे अच्छा माध्यम है। अधिक से अधिक संख्या में वृक्षों का रोपण करना।

उक्त बातें महापौर श्रीमती राजपूत ने कोहड़िया उद्यान में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान कही। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर नगर पालिक निगम कोरबा एवं रोटरी क्लब कोरबा के संयुक्त तत्वाधान में कोहड़िया उद्यान में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, सभापति नूतन सिंह ठाकुर, आयुक्त विनय मिश्रा व वरिष्ठ पार्षद नरेंद्र देवांगन ने इस मौके पर वृक्षारोपण किया तथा विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। संजूदेवी राजपूत ने आगे कहा कि मुझे खुशी है कि नगर पालिक निगम कोरबा नगर के विकास व अपने मूलभूत कर्तव्यों के सफल निर्वहन के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण व वृक्षों के रोपण, उनके संवर्धन व संरक्षण पर भी लगातार काम कर रहा है। निगम द्वारा क्षेत्र की जनता की सुविधा व शहर को हरीतिमा युक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाते हुए बड़े पैमाने पर उद्यानों का निर्माण, सड़क के किनारे व रोड डिवाईडरों पर पेड़-पौधों का आरोपण व शहर सौंदयीकरण की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं।कार्यक्रम के दौरान निगम के अधीक्षण अभियंता सुरेश बरूआ, कार्यपालन अभियंता एन.के. नाथ, तपन तिवारी, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय तिवारी, उद्यान अधीक्षक आनंद राठौर, सहायक अभियंता राहूल मिश्रा, रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष पारस जैन, संतोष जैन, प्रेम गुप्ता, राजेश सलुजा, रामकुमार राठौर, प्यारे लाल साहू, रथ चतुर्वेदी, आशीष द्विवेदी, नरेंद्र गोस्वामी, आशुतोष तिवारी, कपूरचंद पटेल, अरूण साहू, अभिषेक साहू आदि के साथ काफी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

जन्मदिन पर उपाध्यक्ष मनोज झा ने लगाए 150 पौधे : 1000 पेड़ लगाने का संकल्प

करतला (दिव्य आकाश)

जनपद पंचायत करतला के उपाध्यक्ष मनोज झा ने अपने जन्मदिवस को इस वर्ष विशेष रूप से पर्यावरण को समर्पित करते हुए विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों में वृक्षारोपण कर 150 पौधे लगाए। उन्होंने अपनी माँ के नाम पौधरोपण कर अभियान की शुरूआत की। इसके पश्चात ग्राम गाड़ापाली, शासकीय माध्यमिक शाला पटियापाली एवं शासकीय उद्यान पटियापाली में भी वृक्षारोपण किया गया। उन्होंने कहा कि आज के समय में हम अपने बच्चों के लिए धन, घर, बीमा जैसी सुविधाओं की तैयारी कर रहे हैं, परंतु यदि स्वच्छ हवा और जल नहीं रहा, तो ये सब व्यर्थ हो जाएगा। इसीलिए उन्होंने 1000 पेड़ लगाने का संकल्प लिया और यदि जनता का सहयोग मिला तो यह संख्या 5000 तक पहुँचाई जाएगी। कार्यक्रम में डिप्टी रेंजर श्री शुक्ला एवं उद्यान विभाग के श्री देवांगन ने भी उपाध्यक्ष झा के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि वे इस संकल्प में पूरा सहयोग देंगे और करतला ब्लॉक को हरित बनाने की दिशा में यह एक सशक्त पहल है। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रेणुका राठिया, जनपद अध्यक्ष श्रीमती अशोक बाई कंवर, सहित जनपद पंचायत के सभी सभापति एवं सदस्य, सीईओ वैभव कौशिक, अधिकारी, कर्मचारी, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक तथा जनपद क्षेत्र से भारी संख्या में आए नागरिक उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस : वन विभाग कटघोरा द्वारा वृक्षारोपण व नि:शुल्क पौध वितरण

कटघोरा (दिव्य आकाश)।

05 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कटघोरा वनमंडल के ऐतमा रेंज अंतर्गत ग्राम सालियाभाटा, पचरा एवं झाबर में वनमण्डलाधिकारी कुमार निशांत, रेंजर अभिषेक कुमार दुबे के मार्गदर्शन में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम तथा नि:शुल्क पौधा वितरण किया गया। इस अभियान के माध्यम से स्थानीय ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में डिप्टी रेंजर सनत कुमार शांडिल्य एवं दरसराम मिलन की उपस्थिति रही। उनके मार्गदर्शन में ग्रामीणों के सहयोग से विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर ऋषभ राठौर, अनिल देवांगन तथा तुलेश्वर कोठारी समेत वन विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।वन विभाग द्वारा पर्यावरण सरंक्षण हेतु चलाए जा रहे इस अभियान की ग्रामीणों ने सराहना की और अधिकाधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर औद्योगिक क्षेत्र, खरमोरा, कोरबा के जलागार परिसर में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, कोरबा द्वारा जिला उद्योग संघ कोरबा के सहयोग से सीताफल, काजू, कदम्ब, अमरूद, गुलमोहर इत्यादि पौधों का रोपण किया गया। साथ ही जिले के औद्योगिक क्षेत्र, खरमोरा एवं कोहड़िया में स्थापित विभिन्न औद्योगिक इकाईयों के इकाई परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पेड़ो का भी पौधरोपण किया गया। इसी प्रकार विकासखण्ड कटघोरा एवं पोड़ीउपरोड़ा में स्थित विभिन्न औद्योगिक इकाईयों के परिसर में इकाईयों को प्रोत्साहित करते हुए वृक्षारोपण का कार्य किया गया। एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक टी. आर कश्यप, प्रबंधक तरूण कुमार राठिया, जिला उद्योग संघ के पदाधिकारी श्रीकांत बुधिया- अध्यक्ष, संतोष खरे- सचिव, गोपाल पटेल सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

जिपं. सभापति सावित्री अजय कंवर ने किया पौधरोपण।

पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कोरबा जिला में संचालित कोयला खदानों की विस्तार परियोजनाओं से प्रभावित परिवारों को नियमानुसार व्यवस्थापन दिलाने कोयला मंत्री को लिखा पत्र

कोरबा जिला में प्रमुखतः कोरबा, कुसमुण्डा, गेवरा और दीपका सहित अनेक खदानें संचालित हैं, जिनसे निकले कोयले को देश के अनेक राज्यों को भेजा जाता है। उत्पादन के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए विस्तार परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए व्यापक पैमाने पर कार्य योजनाएं बनाई जाती हैं। कुसमुण्डा खदान विस्तार परियोजना से ग्राम चन्द्रनगर या जटराज के प्रभावित परिवारों को व्यवस्थापन से पहले विस्थापित होने के लिए विवश न किए जाने के संबंध में लिखा गया पत्र। पत्र की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री के साथ ही सी.एम.डी एस.ई.सी.एल, संभागायुक्त के साथ कलेक्टर कोरबा को भी प्रेषित की गई है।

कोरबा (दिव्य आकाश)।

पूर्व कैबिनेट मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने केन्द्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी को पत्र लिखते हुए कहा है कि कोरबा जिला अन्तर्गत संचालित विभिन्न कोयला खदानों जैसे कोरबा, कुसमुण्डा, गेवरा, दीपका व अन्य कोयला खदानों की विस्तार परियोजनाओं से प्रभावित होने वाले परिवारों को नियमानुसार पुनर्व्यवस्थापन के साथ ही आवश्यक बुनियादी सुविधाएं जैसे आवास, सड़क, बिजली, पानी, पर्यावरण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था उपलब्ध कराए बिना उन्हें अन्यत्र विस्थापित होने के लिए विवश न किया जाए।

श्री अग्रवाल ने पत्र में लिखा है कि कोरबा जिला की कोयला खदानों से अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने के लिए प्रबंधन द्वारा विस्तार परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के क्रम में कुसमुण्डा कोयला खदान विस्तार परियोजना के लिए बनाई गई कार्य योजना के अनुरूप ग्राम चन्द्रनगर (जटराज) के ग्रामीण प्रत्यक्ष रूप से पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं, जिन्हें उचित मुआवजा और पुनर्व्यस्थापन व बुनियादी सुविधाओं के साथ ही रोजगार की उपलब्धता सुनिश्चित किए बिना विस्थापित किए जाने के लिए एस.ई.सी.एल. प्रबंधन द्वारा विवश किया जा रहा है। ग्रामीणों के हवाले से पत्र में लिखा गया है कि कुसमुण्डा खदान विस्तार परियोजना का कार्य आगे बढ़ाने के लिए ग्राम चन्द्रनगर (जटराज) के निवासियों को बसाहट के लिए सर्वमंगला मंदिर के आगे नदी के किनारे बसाहट दिए जाने हेतु स्थल का चिह्नांकन एस.ई.सी.एल. प्रबंधन द्वारा किया गया है, जहां सर्वप्रथम उस स्थल का समतलीकरण कराए जाने के साथ ही प्रति परिवार कितना भू-खण्ड क्षेत्र उन्हें मकान आदि बनाने के लिए दिया जा रहा है, उसका भी चिह्नांकन एस.ई.सी. एल. प्रबंधन द्वारा कराया जाना चाहिए। इसके साथ ही उक्त क्षेत्र में आवागमन के लिए सड़क मार्ग, बिजली की सुविधा के साथ ही पेयजल की सुविधा का विकास कराया जाना भी प्रबंधन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बनती है, लेकिन उस क्षेत्र में ऐसा नहीं हो रहा है।

नए स्थल पर गामीणों के विस्थापित होकर बस जाने के बाद उनके बच्चों की शिक्षा व ग्रामीणों के स्वास्थ्य आदि के संबंध में प्रबंधन व जिला प्रशासन द्वारा क्या व्यवस्था बनाई जायेगी जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर एस.ई.सी.एल प्रबंधन मौन है।

ग्रामीणों के हवाले से कोयला मंत्री को लिखे पत्र में कहा गया है कि वर्तमान समय में उनके घरों को छोड़कर, बाड़ी आदि जहां पर उन लोगों ने जीविका का साधन साग-सब्जी लगा रखे हैं, एस.ई.सी. एल. प्रबंधन द्वारा डोजर चलवाकर नष्ट कर दिया जा रहा है। जब भी ग्रामीणजन एस.ई.सी.एल. प्रबंधन की तानाशाहीपूर्ण कार्यशैली का विरोध करने के लिए एकत्र होते है, पुलिस बल की उपस्थिति में एस.ई.सी. एल. प्रबंधन द्वारा ग्रामीणों को समझाईश दिए जाने के साथ ही मात्र आश्वासन दिए जाते हैं और कुछ दिनों का समय लेकर आश्वासन को पूरा करवाने की बात कही जाती है, लेकिन आज तक प्रबंधन द्वारा किसी भी आश्वासन को पूरा नहीं करवाया गया है, ऐसी स्थिति में उनका कहना है कि वे सभी घर खाली करके परिवार के साथ कहां जाएं। ग्रामीणों ने इस दिशा में एस.ई.सी.एल. प्रबंधन से प्राथमिकता के आधार पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाए जाने की अपेक्षा की है।

जयसिंह अग्रवाल ने पत्र में सवाल उठाया है कि उपर्युक्त समस्याओं के समाधान हेतु भारत सरकार, खान मंत्रालय द्वारा वर्ष 2015 में जिला खनिज न्यास संस्थान का गठन किया गया था, जिसमें खनन गतिविधियों से प्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित होने वाले क्षेत्रों के नागरिकों को तत्काल राहत पहुंचाने की दृष्टि से वर्ष 2024 में उसमें आवश्यक संशोधन करते हुए 'प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना, 2024' को उसमें समाहित किया गया। खनन गतिविधियों से प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों के लिए संशोधित योजना प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना, 2024 (पीएमकेकेकेवाई 2024) में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो रहे परिवारों के लिए आवश्यक समस्त बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराया जाना चाहिए लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है।

अतएव उपर्युक्त परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार से अपेक्षा की गई है कि कोरबा जिला के कुसमुण्डा खदान क्षेत्र विस्तार परियोजना से तत्कालिक रूप से प्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित होने वाले ग्राम चन्द्रनगर (जटराज) के ग्रामीणों को विस्थापित किए जाने से पूर्व उनके लिए पुनर्व्यस्थापन के तहत उचित मुआवजा राशि का भुगतान, बसाहट के साथ प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना, 2024 (पीएमकेकेकेवाई 2024) में किए गए प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के साथ ही पात्रतानुसार रोजगार की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने से पहले ग्राम चन्द्रनगर (जटराज) से विस्थापित होने के लिए उन्हें विवश न किया जाए। उम्मीद जताई गई है कि इस संबंध में विश्वास है कि मानवीय संवेदनाओं को सर्वोपरि स्थान देते हुए समस्त संबंधितों को तत्काल आवश्यक कदम उठाने के लिए प्राथमिकता के आधार पर स्पष्ट निर्देश जारी किए जाएंगे।

एसईसीएल मुख्यालय में प्रोक्योरमेंट पर क्षमता निर्माण कार्यशाला का सफल आयोजन

एसईसीएल के सतर्कता विभाग के तत्वावधान में किया गया आयोजन

बिलासपुर (दिव्य आकाश)।

कोल इंडिया लिमिटेड के मिशन - ब्रांड सीआईएल @ 50 अभियान के अंतर्गत साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय, बिलासपुर में प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया पर क्षमता विकास कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला एसईसीएल के सतर्कता विभाग के तत्वावधान में तथा सामग्री प्रबंधन (एमएम) विभाग द्वारा आयोजित की गई।

इस कार्यशाला का उद्देश्य विभिन्न विभागों के अधिकारियों को नियमों की विधिक समझ, पारदर्शिता, नैतिक निर्णय लेने की प्रक्रिया तथा नियमों के अनुरूप कार्य प्रणाली की दिशा में प्रशिक्षित करना था। कार्यशाला का विषय था — कानून की अज्ञानता कोई बहाना नहीं है।

इस अवसर पर एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहन ने कहा कि सभी को नियमों की स्पष्ट जानकारी के साथ आत्मविश्वासपूर्वक निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों से आग्रह किया कि वे नियमों का पालन करते हुए सजगता और सकारात्मक सोच के साथ कार्य निष्पादन करें।

बैठक में वीसी के माध्यम से जुड़े कोल इंडिया के मुख्य सतर्कता अधिकारी बी.के. त्रिपाठी ने अपने संदेश में कहा — सतर्कता आपके द्वारा है, आपके लिए है और आपके साथ है। उन्होंने अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे सौहार्दपूर्ण और ईमानदार वातावरण में कार्य करते हुए कंपनी के हित में सही निर्णय लें।

एसईसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी हिमांशु जैन ने कहा कि सभी अधिकारियों को नियमों की सही जानकारी रखते हुए पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करना चाहिए।

आयोजन में एसईसीएल निदेशक तकनीकी (संचालन सह योजना/परियोजना) एन फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास, निदेशक (वित्त) डी सुनील कुमार एवं विभिन्न विभागाध्यक्षगण भी उपस्थित रहे।

कार्यशाला के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा उपयोगी प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें क्रय प्रक्रिया, संविदा प्रबंधन, नियामकीय स्पष्टता और निर्णय लेने की प्रणाली जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी साझा की गई। इसमें सामग्री प्रबंधन, वित्त, खनन, यांत्रिक एवं विद्युत, सुरक्षा सहित अन्य विभागों से बड़ी संख्या में अधिकारियों ने भाग लिया।

मोदी सरकार के 11 साल : कोरबा जिला भाजपा ने किया संकल्प से सिद्धि, कार्यशाला का आयोजन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के संकल्प अब सिद्ध होते दिखने लगे हैं- अनुराग सिंहदेव

कोरबा (दिव्य आकाश)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला भारतीय जनता पार्टी कोरबा ने संकल्प से सिद्धि, कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम में भाजपा के बिलासपुर संभाग प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव मुख्य वक्ता थे। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी ने की। कोरबा जिला प्रभारी गोपाल साहू विशिष्ट अतिथि थे।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता अनुराग सिंहदेव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार एक संकल्प के साथ सत्ता में आई थी। अब 2025 तक आते आते सरकार के सभी संकल्प सिद्ध होते दिखने लगे हैं। इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी सरकार की 11 वीं वर्षगांठ को भाजपा ने संकल्प से सिद्धि की थीम पर मनाने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि संकल्प से सिद्धि मोदी युग का भारत निर्माण है। स्वतंत्रता संग्राम के संकल्प से शुरू हुई भारत निर्माण यात्रा अब आगे बढ़ चुकी है। आज विकसित भारत का संकल्प लेकर आगे बढ़ रही यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और परिश्रम की प्रेरक गाथा है। भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। आपरेशन सिन्दूर ने दुनिया को बता दिया है कि भारत किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है और एक महाशक्ति बन चुका है। उन्होंने धारा 370 की समाप्ति के साहसिक निर्णय और छत्तीसगढ़ में चल रहे सफल नक्सल विरोधी अभियान को भारत की निर्णायक शक्ति का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में संकल्प से सिद्धि तक पखवाड़ा के तहत विकसित भारत संकल्प सभा, योग शिविर, चौपाल और डिजिटल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

जिला भाजपा अध्यक्ष गोपाल मोदी ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि संकल्प से सिद्धि थीम पर एक पखवाड़े में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम सम्पन्न होंगे। भाजपा और पी एम मोदी ने जिन संकल्पों के साथ सरकार बनायी है और जिन्हें सिद्ध करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, वे अब एक एक कर साकार हो रहे हैं। बीते 11 वर्षों में भारत ने अपनी क्षमता और शक्ति का पूरी दुनिया को आभाष कर दिया है। एक पखवाड़े के दौरान पी एम मोदी सरकार की महती उपलब्धियों के साथ ही विकसित भारत की अवधारणा से जन जन को अवगत कराने के कार्यक्रम जमीनी स्तर तक आयोजित किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि ये केवल कार्यक्रम नहीं हैं, बल्कि देश में राम राज्य स्थापना की दिशा में हमारा संगठित प्रयास है। भाजपा जिला अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील भी की।

भाजपा के कोरबा जिला प्रभारी गोपाल साहू ने अपने उदबोधन में कहा कि संगठन की शक्ति से ही कोई भी संकल्प सिद्ध होता है। इसलिए आवश्यक है कि संगठन को अफ़हीक से अधिक मजबूत बनाया जाए। सभी कार्यकर्ता संकल्प से सिद्धि तक पखवाड़ा के दौरान बूथ स्तर तक सघन जन सम्पर्क करें और पार्टी की उपलब्धियों - योजनाओं को घर घर तक पहुंचा कर अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ें। अभियान के कोरबा जिला संयोजक ज्योतिनंद दुबे ने अपने सम्बोधन में कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता सामाजिक परिवर्तन के वाहक हैं। समाज में बदलाव के लिए उन्हें समर्पित भाव से आगे आकर काम करना है। संकल्प से सिद्धि तक पखवाड़े के दौरान सभी सेवा कार्यों और संवाद कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं को सक्रिय भागीदारी निभानी है।

इस एक दिवसीय कार्यशाला में पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर, कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, महापौर संजू देवी राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष पवन सिंह, करतला जनपद अध्यक्ष अशोक कंवर, उपाध्यक्ष मनोज झा, दीपक नगर पालिका अध्यक्ष राजेंद्र राजपूत, पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह, अशोक चावलानी, जोगेश लांबा, पवन गर्ग, मनोज शर्मा, पार्षद हितानंद अग्रवाल, रेणुका राठिया, मंडल अध्यक्ष डॉ. राजेश राठौर, दिलेंद्र यादव, मनीष मिश्रा, योगेश मिश्रा, मनोज लहरे सहित भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, मोर्चा पदाधिकारी, प्रकोष्ठ संयोजक, पार्षदगण, मंडल अध्यक्ष एवं जिले के पार्टी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

इससे पहले, कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके बाद संगठन गीत और वंदे मातरम् का सामूहिक गायन हुआ। कार्यक्रम का संचालन अभियान के सह-संयोजक विकास अग्रवाल तथा आभार प्रदर्शन भाजपा नेता सतविंदर पाल सिंह बग्गा ने किया।

आरोग्य मेलों के माध्यम से 10 हज़ार से अधिक लोगों ने लिया रक्तदान का संकल्प

रायपुर।

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आयोजित साप्ताहिक आरोग्य मेलों के माध्यम से रक्तदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने बुधवार को विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदेशभर के 3807 आरोग्य मेलों में 46 हज़ार से अधिक नागरिकों ने स्वास्थ्य जांच करायी जिसमे करीब 10 हजार से अधिक नागरिकों ने रक्तदान की शपथ ली तथा यह संकल्प दोहराया कि आवश्यकता पड़ने पर किसी भी जरूरतमंद को समय पर रक्तदान कर जीवन बचाने में योगदान देंगे।

इस वर्ष की थीम Give blood, give hope: together we save lives के अंतर्गत सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में रक्तदान पंजीकरण, शपथ समारोह, जागरूकता रैलियाँ एवं रक्तदाता सम्मान जैसे आयोजन संपन्न हुए। ग्राम पंचायतों में सरपंचों के मार्गदर्शन में भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे यह जनसहभागिता गाँव-गाँव तक पहुँची। प्रदेश के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पोस्टर प्रदर्शनी, रक्तदान प्रेरणा रैली तथा आदर्श रक्तदाताओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। लोगों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए इसे मानवीय सेवा का पर्व बना दिया।

विभाग द्वारा बताया कि यह सामाजिक चेतना और सेवा भाव का प्रमाण है। हमारा लक्ष्य है कि रक्तदान को हर जिले, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर जीवनदायिनी पहल के रूप में स्थापित किया जाए। प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान केवल जागरूकता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी ने इसे एक सामाजिक आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया है। सहभागी निर्माण की यह प्रक्रिया आने वाले समय में प्रदेश को आत्मनिर्भर रक्तदान तंत्र की दिशा में मजबूती देगी। रक्तदान न सिर्फ जीवन बचाता है, बल्कि समाज में करुणा, सहयोग और सेवा की भावना को भी सुदृढ़ करता है।

'रक्तदान की अवधि और पात्रता''

कोई भी स्वस्थ व्यक्ति हर 3 से 4 महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है और यह शरीर के लिए सुरक्षित है। 18 से 65 वर्ष की उम्र के बीच कोई भी स्वस्थ नागरिक रक्तदान कर सकता है।

अफजल अली सांसद प्रतिनिधि नियुक्त

दीपका (दिव्यआकाश)। दीपका नगर पालिका परिषद के पूर्व ऐल्डरमैन और युवा कांग्रेस नेता अफजल अली असंगठित मजदूरों के जनहित कार्यों हेतु सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किये गए। कोरबा लोकसभा की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने विभिन्न विभागों और जनहित से जुड़े मुद्दे हेतु अपने सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किये। उसी तारतम्य में दीपका गेवरा अंसगठित मजदूरों के जनहित के मुद्दे की आवाज बनने दीपका नगर पालिका के पूर्व एल्डरमेन युवा कांग्रेस नेता अफजल अली को नियुक्ति प्रमाण पत्र सौपते हुए दीपका नगरपालिका क्षेत्र के असंगठित मजदूरों के जनहित से जुड़े कार्यों हेतु अपना सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया है।

रामनारायण बने सांसद प्रतिनिधि

पाली (दिव्य आकाश)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामनारायण कश्यप को

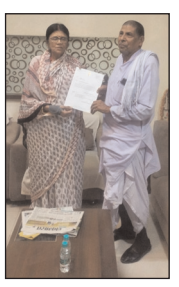

सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत ने सहकारिता विभाग कोरबा एवं कृषि उपज मंडी कटघोरा के लिए अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है।

सांसद प्रतिनिधि बनाये गय अमित भदौरिया..

पाली (दिव्य आकाश)।

अमित भदौरिया को पाली वन परिक्षेत्र के लिए कोरबा सांसद श्रीमती ज्योतसना चरणदास महंत ने अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। लंबे समय से कांग्रेस की राजनीति मे अमित बेहद सक्रिय रूप से अपनी सेवा देते रहे, NSUI ब्लॉक अध्यक्ष, युथ कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष,NSUI जिलाउपाध्यक्ष, प्रदेश सचिव, राष्ट्रीय सोशल मीडिया समन्वयक IYC, राजीव युवा मितान के समन्वयक , जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव रहे हैं। अमित को पाली वन परिक्षेत्र मे सांसद प्रतिनिधि बनाया गया है। अमित ने सांसद प्रतिनिधि बनाये जाने पर नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत , सांसद श्रीमती ज्योतसना चरणदास महंत, सूरज महंत,हरीश परसाई,जिलाध्यक्ष मनोज चौहान, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पाली अध्यक्ष यशवंत लाल , के प्रति आभार व्यक्त किया है।

अजय सैनी जनपद पाली के लिए सांसद प्रतिनिधि बने

पाली (दिव्य आकाश)।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सैनी को जनपद पंचायत पाली के लिए सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत ने अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। यहां होने वाली बैठकों में सांसद की अनुपस्थिति में श्री सैनी भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कोरबा जिले को दी 223 करोड़ की विकास कार्यों की सौगात

कोरबा (दिव्य आकाश)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज कोरबा जिले के प्रवास के दौरान जिलेवासियों को लगभग 223 करोड़ 88 लाख 41 हजार से अधिक लागत की 66 विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। श्री साय ने विभिन्न विभागों के अंतर्गत किए जा रहे 66 विकास कार्यों का लोकार्पण, भूमिपूजन और शिलान्यास किया। इन विकास कार्यों में 24 करोड़ 10 लाख 70 हजार से अधिक राशि के 16 कार्यों का लोकार्पण एवं 199 करोड़ 77 लाख 71 हजार से अधिक राशि की 50 कार्यों का भूमिपूजन/शिलान्यास शामिल हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने कन्वेंशन सेंटर में लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का लोकार्पण किया और कन्वेंशन सेंटर को लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर के नाम से नामकरण किया।

मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा किए जाने वाली 16 लोकार्पण कार्यों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत 15 करोड़ 06 लाख 77 हजार लागत के 11 कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्राम केरवाद्वारी, डूमरडीह, कोरकोमा, कसईपाली, बारी उमरांव, कपोट, नुनेरा, कोटमर्रा, लैंगा, बेतलो और सरपता में एकल ग्राम योजना शामिल है। स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत भैसमा, कुदमुरा और पसान में 75-75 लाख की लागत से नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण, नगर पालिक निगम कोरबा के अन्तर्गत 03 करोड़ 58 लाख की लागत से स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय एनसीडीसी कोरबा में नवीन भवन/जीर्णोद्धार कार्य, और क्रेड़ा विभाग अन्तर्गत 03 करोड़ 20 लाख 70 हजार 920 रूपये की लागत से कोरबा जिले के 47 छात्रावासों/आश्रमों में 2.4 किलोवाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट स्थापना कार्य शामिल हैं।

भूमि पूजन के कार्यों के अंतर्गत नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा नगर पालिका निगम कोरबा व नगर पालिका परिषद दीपका में डीएमएफ, 15 वें वित्त सहित अन्य मदों से 15 करोड़ 38 लाख 85 हजार लागत के 09 कार्यों का भूमि पूजन/शिलान्यास किया गया। इनमें 06 करोड़ 66 लाख 35 हजार की लागत से 15 वें वित्त अंतर्गत नगर पालिक निगम कोरबा हेतु 100 टीपीडी सालिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट, 05 करोड़ 78 लाख एक हजार की लागत से प्रधानमंत्री ई-बस सेवा अंतर्गत दर्री जोन क्रमांक 06 में सिटी बस डिपो/टर्मिनल कॉपलेक्स का निर्माण कार्य, 41 लाख 13 हजार की लागत से 100 बैड हॉस्पिटल में एसएनसीयू हॉल, गैलरी शेड, रैम्प एवं बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य, 61 लाख की लागत से वार्ड क्रमांक 32 में प्रशिक्षण हाल निर्माण, वार्ड क्रमांक 31 में 50 लाख की लागत से प्रशिक्षण हॉल निर्माण, 25 लाख की लागत से अयोध्यापुरी तालाब में जल संवर्धन हेतु निर्माण कार्य, 42 लाख 31 हजार की लागत से भू-जल स्त्रोत सुधार के लिए रिचार्ज वेल, डिसिल्टींग, आयल एवं ग्रीस ट्रैपिंग का निर्माण कार्य, नगर पालिका परिषद दीपका अंतर्गत 68 लाख 20 हजार की लागत से निकाय क्षेत्रांतर्गत घरों में पेयजल हेतु सर्विस कनेक्शन प्रदाय कार्य और 06 लाख 85 हजार लागत की वार्ड क्रमांक 06 में टॉवर रोड से गणेश साहू घर तक आरसीसी नाली निर्माण कार्य शामिल हैं।

इसी तरह ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के अंतर्गत जिला खनिज संस्थान न्यास मद से 03 करोड़ 72 लाख 08 हजार की लागत से 07 कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इनमें 01 करोड़ 84 लाख 68 हजार की लागत से विकासखंड स्तर पर 04 ट्रेनिंग हॉल, 49 लाख 98 हजार की लागत से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रजगामार में 01 प्रयोगशाला कक्ष, 30 लाख 65 हजार की लागत से प्राथमिक शाला हेतु 02 नवीन भवन, 33 लाख 20 हजार की लागत से माध्यमिक शाला हेतु 02 नवीन भवन निर्माण, 36 लाख 90 हजार की लागत से शासकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र नोनदरहा हेतु नवीन भवन निर्माण, 26 लाख 67 हजार की लागत से खाद भंडारण केन्द्र कटघोरा में अहाता निर्माण और 10 लाख की लागत से कलमीटिकरा से बरपाली आर.डी. 2 किलोमीटर में पुलिया निर्माण कार्य शामिल है। जल संसाधन विभाग अंतर्गत 02 करोड़ 79 लाख 32 हजार की लागत से तेन्दुभाठा एनीकट और 02 करोड़ 89 लाख 13 हजार की लागत से हाउसिंग बोर्ड कालोनी उरगा के पास डोमनाला स्टापडेम का निर्माण कार्य, कार्यपालन अभियंता मिनीमाता बांगो बांध संभाग क्र. 3 माचाडोली अंतर्गत मिनीमाता (हसदेव) बांगो परियोजना के तहत 03 करोड़ 02 लाख 25 हजार की लागत से कोरबा जिले के मिनीमाता बांगो बांध परिक्षेत्र में स्थित आई.बी.(निरीक्षण गृह) का जीर्णोद्धार कार्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के तहत 01 करोड़ 19 लाख 78 हजार की लागत से पोंड़ी उपरोड़ा से जिला खनिज संस्थान न्यास से स्वीकृत लेपरा मार्ग के 274 मीटर लंबाई में पुर्ननिर्माण एवं रिटर्निंग वॉल निर्माण कार्य, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय उर्जा विकास अभिकरण अंतर्गत 02 करोड़ 68 लाख 89 हजार 100 की लागत से विभिन्न स्थलों में 50 नग सोलर हाईमास्ट संयंत्र स्थापना कार्य, 02 करोड़ 14 हजार 350 की लागत से 50 उप स्वास्थ्य केन्द्रों में 1.2 किलोवाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट स्थापना कार्य और लोक निर्माण विभाग अंतर्गत 166 करोड़ 07 लाख 27 हजार की लागत से पुल-पुलिया, सड़क, भवन निर्माण, पहुंच मार्ग निर्माण सहित कुल 28 कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, उद्योग,वाणिज्य और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन, विधायक प्रेमचंद पटेल, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, संभागीय संगठन प्रभारी अनुराग सिंहदेव, भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी, विधायक प्रतिनिधि भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक विकास अग्रवाल, गोपाल साहू, मनोज शर्मा, जोगेश लांबा, अशोक चावलानी, ज्योतिनंद दुबे, दुष्यंत शर्मा आदि उपस्थित थे।

एक पेड़ माँ के नाम पर मुख्यमंत्री ने लगाए सिंदूरी के पौधे

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक पेड़ माँ के नाम के तहत रिसदी के कन्वेन्शन सेंटर परिसर में सिंदूरी पेड़ का रोपण किया। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने मौलश्री, मंत्री लखनलाल देवांगन ने बादाम के पौधे का रोपण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री सहित अन्य अतिथियों ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के जीवनी पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का अनावरण

मुख्यमंत्री का किया गया आत्मीय स्वागत...

कोरबा (दिव्य आकाश)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कोरबा के पुलिस लाइन हेलीपेड पर आगमन पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय के साथ उपमुख्यमंत्री अरुण साव साथ आए।

हेलीपेड पर मुख्यमंत्री श्री साय का कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन, जिला भाजपा अध्यक्ष गोपाल मोदी, पूर्व गृह मंत्री ननकी राम कंवर, विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल, आईजी संजीव शुक्ला, कलेक्टर अजीत वसंत, एसपी सिद्धार्थ तिवारी, मुख्य वन संरक्षक प्रभात मिश्रा, डीएफओ कोरबा मयंक अग्रवाल, कटघोरा डीएफओ कुमार निशांत सहित अन्य अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया।

राज्य महिला आयोग की सुनवाई 18 जून को

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जिले में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग में महिलाओं के उत्पीड़न से संबंधित जिले से प्राप्त प्रकरणों की सुनवाई आयोग की गठित न्यायपीठ द्वारा अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक, संभाग प्रभारी श्रीमती सरला कोसरिया, सह प्रभारी श्रीमती प्रियवन्दा सिंह जूदेव द्वारा की जाएगी। यह सुनवाई कलेक्टोरेट सभाकक्ष कोरबा में 18 जून को प्रात: 11 बजे से की जाएगी।

कबीर जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा

पाली (दिव्य आकाश)।

संत शिरोमणि कबीरदास के 628वें प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में नगर पंचायत पाली में श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण एक विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा की शुरुआत संत कबीर के तैल्यचित्र की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। शोभायात्रा में कन्याओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई, वहीं रथ पर संत-महंत विराजमान रहे। डीजे की भक्तिमय धुनों के साथ नगर का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा।

शोभायात्रा के पश्चात कबीर कुटीर भवन में चौंका आरती एवं भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कुलदीप सिंह मरकाम, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. पवन सिंह (जिला पंचायत अध्यक्ष), अजय जायसवाल (नगर पंचायत अध्यक्ष) और संतोष दास महंत (जिला अध्यक्ष, मानिकपुरी पनिका समाज) मंचासीन रहे। अपने संबोधन में अजय जायसवाल ने संत कबीरदास के विचारों को वर्तमान समाज के लिए प्रासंगिक बताते हुए कहा कि उन्होंने प्रेम, भाईचारे, समानता और सच्चाई का मार्ग दिखाया। उन्होंने समाज में व्याप्त पाखंड और आडंबर का विरोध करते हुए सरल जीवन और सदाचार अपनाने का संदेश दिया। डॉ. पवन सिंह ने कबीर भवन में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया—10वीं और 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन घनश्याम दास महंत, मया दास, और रामेश्वर दास पड़वार ने किया। आयोजन के मार्गदर्शक ब्लॉक अध्यक्ष कंवल दास महंत, पूर्व अध्यक्ष कपिल दास महंत और ब्लॉक सचिव मोहर दास महंत रहे। शोभायात्रा की व्यवस्था में गोरे दास महंत, राजू दास महंत, श्रवण दास, सहित विभिन्न ब्लॉकों और सोसायटी के पदाधिकारियों का सक्रिय सहयोग रहा। इस भव्य आयोजन में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे और संत कबीर की शिक्षाओं को स्मरण करते हुए आध्यात्मिक वातावरण में सहभागी बने।

सहायक विस्तार अधिकारी भर्ती परीक्षा हेतु उड़नदस्ता दल गठित

कोरबा (दिव्य आकाश)।

सहायक विस्तार अधिकारी भर्ती परीक्षा का आयोजन 15 जून रविवार को प्रात: 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक आयोजित होगी। कलेक्टर ने परीक्षा केंद्रों के आकस्मिक निरीक्षण हेतु 04 उड़नदस्ता दल के गठन हेतु आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेश के अनुसार दल क्रमांक 01 अंतर्गत परीक्षा केंद्र 22001 से 22010 तक के निरीक्षण के लिए तहसीलदार दर्री बजरंग लाल साहू, अधीक्षक भू-अभिलेख अमित झा और नायब तहसीलदार कोरबा श्रीमती सविता सिदार को शामिल किया गया है। इसी प्रकार दल क्रमांक 02 परीक्षा केंद्र 22011 से 22020 तक के लिये उप संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा श्रीमती दिशा शुक्ला, नायब तहसीलदार मधुसूदन, सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती श्रद्धा चंद्रा, दल क्रमांक 03 परीक्षा केन्द्र 22.21 से 22031 तक के लिए उप संचालक पंचायत सुश्री जुली तिर्की, नायब तहसीलदार विमल खांडेकर, खाद्य निरीक्षक श्रीमती उर्मिला गुप्ता और दल क्रमांक 4 परीक्षा केन्द्र 22032 से 22043 तक के निरीक्षण के लिए सहायक आयुक्त आबकारी श्रीमती आशा सिंह, तहसीलदार लीलाधर ध्रुव एवं अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती पूजा अग्रवाल की ड्यूटी निर्धारित की गई है। उपरोक्त अधिकारी-कर्मचारियों को परीक्षा प्रारंभ होने के आधे घंटे पूर्व अपनी उपस्थिति कलेक्टर कार्यालय में नोडल अधिकारी को अनिवार्य रूप से देने के लिए निर्देशत किया गया है। साथ ही 13 जून को प्रात: 11 बजे शासकीय पीजी कालेज कोरबा में ब्रिफिंग हेतु बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने निर्देशित किया गया है।

मनचलों को सबक सिखाया पुलिस ने

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा पुलिस द्वारा आज राह चलते महिलाओं के साथ मोटरसाइकिल सवार दो युवको के द्वारा टीका टिपणी करते हुए वीडियो सोशल मीडिया मे वायरल हुआ था, जिस पर कोरबा पुलिस स्वत: संज्ञान लेते हुए शीघ्र ही वायरल वीडियोज के मोटरसाइकिल नंबर सीजी12बीएल1770 के मालिक (चालक) दीपक कुमार खुटे, पिता - शत्रुघ्न लाल खुटे, उम्र - 25 वर्ष, निवासी - सैंडल, थाना - उरगा, जिला - कोरबा व मोटरसाइकिल के सवार साथी सुरेंद्र कुर्रे, पिता - तिहारू राम कुर्रे, उम्र - 20 वर्ष, निवासी - चांपा जगदल्ला, अंबेडकर चौक, थाना - चांपा, जिला - जांजगीर-चांपा इन दोनों व्यक्तियों के विरुद्ध शीघ्र कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार किया है।

किसान ने दी जान

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा के रजगामार चौकी क्षेत्र में किसान का शव गांव से सटे जंगल में एक पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिला। किसान बुधवार की शाम से लापता था। बताया जा रहा है कि किसान पिछले कुछ समय से मानसिक बीमारी से जूझ रहा था। यह घटना रजगामार चौकी क्षेत्र का है। नवाडीह गांव के 32 वर्षीय किसान गोपी राम धनवार का शव गांव से सटे जंगल में एक पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिला। गोपी राम बुधवार शाम से लापता थे। पुलिस ने जांच प्रारंभ कर दी है।

मुख्यमंत्री ने किया सरस्वती शिशु मंदिर के नवनिर्मित केशव भवन का लोकार्पण

कोरबा (दिव्य आकाश)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश की ऊर्जा धानी कोरबा स्थित प्रदेश के सबसे बड़े विद्यालय सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में नन्हें-मुन्हें बच्चों के लिए नवनिर्मित केशव भवन (शिशु वाटिका) का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय परिवार और समस्त नागरिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह भवन शिक्षा, संस्कृति और संस्कारों का संगम बनेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि केशव भवन बच्चों के सर्वांगीण विकास का एक सशक्त माध्यम सिद्ध होगा। सरस्वती शिशु मंदिर संस्था शिक्षा जगत में उल्लेखनीय योगदान दे रही है। यहां विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि उत्तम संस्कार भी प्रदान किए जाते हैं। मुख्यमंत्री ने उपमुख्यमंत्री साव के साथ केशव भवन परिसर का अवलोकन किया।

उल्लेखनीय है कि परंपरा, राष्ट्रप्रेम और नैतिक शिक्षा को समर्पित इस भवन को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करते हुए विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु तैयार किया गया है।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com